जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 169 प्रभात अजमेर, शनिवार 24 जनवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

दिल्ली में हुई केरल प्रदेश कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं हुए शशि थरूर

चर्चा है कि वे राहुल गांधी से उचित सम्मान नहीं मिलने के कारण ख़फा हैं

- सूत्रों ने कहा कि थरूर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम, कोझीकोड़े लिटरेचर फैस्टिवल में व्यस्तता के कारण नहीं आ पाए, हालांकि, पूर्व में यह भी खबर थी कि वे केरल के कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक में वर्चुअली शामिल होंगे।
- काफी समय से थरूर और कांग्रेस नेतृत्व के रिश्ते खराब चल रहे हैं, खासकर थरूर द्वारा समय-समय पर प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने के कारण।
- थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार के रूख की तारीफ की और यही नहीं, भारत सरकार ने उन्हें ऑपरेशन सिंदूर पर अपना पक्ष रखने के लिए विदेश दौरे पर जाने वाली टीम में भी शामिल किया था।
- कांग्रेस में बार-बार यह आरोप लग रहा है कि थरूर भाजपा में जाने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि जिसका थरूर ने खंडन भी किया है।
- लेकिन थरूर के कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल नहीं होने से यह तल्खी बढ़ती जा रही है और अटकलों का बाज़ार भी गर्म हो रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। ऐसी खबरें हैं कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जिनके बारे में खबरें हैं कि वे राहुल गांधी से पर्याप्त सम्मान नहीं मिलने के कारण "नाराज" हैं। उम्मीद थी कि वे केरल विधानसभा चुनाव, जो इस साल के अंत में होने वाले हैं, की तैयारियों की समीक्षा के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में भाग लेंगे। थरूर के करीबी सूत्रों ने पूर्व में कहा था कि वे बैठक में वर्चुअली भाग लेंगे।

सत्रों के मुताबिक, थरूर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में व्यस्त होने के कारण मीटिंग में नहीं आए। उन्हें कोझिकोडे लिटरेचर फैस्टिवल में भाग लेना था।

कांग्रेस के राज्य इकाई के प्रमुख नेताओं की गांधी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे से दिल्ली में इस दोपहर मुलाकात हुई। राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम से चार बार के सांसद, थरूर से उम्मीद की जा रही थी कि वे बैठक में शामिल होंगे, हालांकि इन दिनों पार्टी से उनके रिश्ते बहुत अच्छे नहीं हैं और वे पहले भी कांग्रेस पार्टी की कई मीटिंग्स में नहीं आए।

जाने माने कूटनीतिज्ञ थरूर के कांग्रेस नेतृत्व के साथ तलख रिश्ते हैं, खासकर उनके द्वारा प्रधानमंत्री और सत्ताधारी भाजपा की प्रशंसा करने वाले टिप्पणियों के कारण।

इनमें अप्रैल 22 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर (पाकिस्तान पर प्रतिशोधी सैन्य हमले) के संदर्भ में प्रधानमंत्री की सराहना करने वाले बयान शामिल हैं, साथ ही पार्टी और उसके नेतृत्व के मुद्दों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज हाई कोर्ट में कार्यदिवस, वकील पैरवी नहीं करेंगे

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ द्वारा इस साल से माह में दो शनिवार न्यायिक कार्य दिवस घोषित करने पर शनिवार को वर्किंग डे रहेगा, हालांकि वकीलों ने विरोध स्वरूप स्वेच्छा से न्यायिक कार्य से दूर रहकर पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया है। वकीलों में इस बात का भी रोष है कि मामले में गठित कमेटी की रिपोर्ट से

- वकीलों की शिकायत है कि उन्हें पाँच जनों की कमेटी की रिपोर्ट की जानकारी दिये बिना शनिवार की सूची बनाई गई।

वकीलों को अवगत नहीं कराया गया। ऐसे में हाईकोर्ट बार, जयपुर और जोधपुर स्थित एडवोकेट्स एसोसिएशन व लॉयर्स एसोसिएशन ने कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है।

हाईकोर्ट बार अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने बताया कि पूर्व में इस संबंध में विवाद होने पर हाईकोर्ट प्रशासन ने पांच जजों की कमेटी बनाई थी। जिसे 21 जनवरी तक एक्टिंग सीजे को रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन इस कमेटी की रिपोर्ट की जानकारी एसोसिएशन को नहीं दी गई और शनिवार को मुकदमों की सुनवाई की सूची जारी कर दी गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगले सप्ताह एमेज़ॉन 14,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगा

ये सभी पद मैनेजमैंट वर्ग से संबंधित हैं

- कंपनी से जुड़े दो लोगों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि यह सब एआई की वजह से हो रहा है।
- ज्ञातव्य है कि एमेज़ॉन ने 30,000 कर्मचारियों की छंटनी का लक्ष्य तय किया है। इसका पहला चरण गत वर्ष अक्टूबर में हुआ था, जिसमें 14,000 कर्मचारी निकाले गए थे और दूसरा चरण मंगलवार को हो सकता है, उसमें भी इतने ही कर्मचारी निकाले जाएंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। एमेज़ॉन 30 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने के व्यापक लक्ष्य के तहत, अगले सप्ताह कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रहा है। यह जानकारी मामले से परिचित दो व्यक्तियों को दी।

कंपनी ने अक्टूबर में मैनेजमैंट से संबंधित लगभग 14,000 नौकरियाँ कम की थीं, जो कि 30,000 के लक्ष्य का लगभग आधा था, जैसा कि पहले रॉयटर्स ने रिपोर्ट किया था। इस बार कुल संख्या पिछले वर्ष के समान ही होने की संभावना है और यह मंगलवार से शुरु हो सकती है, जिन लोगों ने यह जानकारी दी, उन्होंने नाम गोपनीय रखते हुए कहा कि उन्हें एमेज़ॉन की योजनाओं पर चर्चा करने की अनुमति नहीं है।

लेकिन एमेज़ॉन के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार किया।

कंपनी के एमेज़ॉन वेब सर्विसेज, रिटेल, प्राइम वीडियो और मानव संसाधन (जिसे "पीपल एक्सपीरियंस और टेक्नोलॉजी के नाम से जाना जाता है) विभागों में कर्मचारियों की छंटनी होने की संभावना है, हालांकि इसका पूर्ण विवरण स्पष्ट नहीं था। इन लोगों ने यह भी चेतावनी दी कि एमेज़ॉन की योजनाओं के विवरण में बदलाव हो सकता है।

सिएटल ऑनलाइन रिटेलर ने अक्टूबर में की गई छंटनी को आर्टिफिशियल इन्टैलिजैंस सॉफ़्टवेयर के बढ़ते प्रभाव से जोड़ा था, और एक आंतरिक पत्र में कहा था कि "एआई की यह पीढ़ी इंटरनेट के बाद सबसे परिवर्तनकारी तकनीक है, और यह कंपनियों को पहले से कहीं अधिक तेजी से नवाचार करने की क्षमता प्रदान कर रही है।"

हालांकि, कंपनी के सीईओ एंडी जैसी ने कंपनी की तीसरी तिमाही की आय पर विश्लेषण के दौरान विश्लेषकों से कहा था कि यह छंटनी "वास्तव में वित्तीय कारणों से नहीं है और न ही यह पूरी तरह से एआई से प्रेरित है। इसके बजाय, एक तरह का चलन है, यानी कंपनी में बहुत अधिक नौकरशाही हो गई है।"

उन्होंने कहा, जब कंपनी बढ़ती है तो कर्मचारियों की संख्या बढ़ जाती है और उनके स्तर भी बढ़ जाते हैं।"

जैसी ने पहले 2025 में कहा था कि वे उम्मीद करते हैं कि एमेज़ॉन का कॉर्पोरेट कार्यबल धीरे-धीरे घटेगा, क्योंकि एआई के उपयोग से दक्षताएँ प्राप्त होंगी।

कंपनियाँ लगातार एआई का उपयोग अपने सॉफ़्टवेयर के लिए कोड लिखने और सामान्य कार्यों को स्वचालित करने वाले एआई एजेंटों को अपनाने में कर रही हैं, क्योंकि वे लागत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट जज से उलझने वाले वकील को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई

वकील महेश तिवारी ने हाई कोर्ट द्वारा जारी अपराधिक अवमानना नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की

- ज्ञातव्य है कि वकील महेश तिवारी ने गत वर्ष 16 अक्टूबर का झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार के साथ तीखी बहस की और उन्हें हद पार नहीं करने की चेतावनी तक दे डाली थी। इस पर उन्हें अपराधिक अवमानना का नोटिस मिला था और बहस का वीडियो भी वायरल हो गया।
- महेश तिवारी को अवमानना नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट आने पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कड़ी फटकार लगाई।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक वकील को कड़ी फटकार लगाई, जिसने पिछले साल कोर्ट रूम में झारखंड हाई कोर्ट के एक जज के साथ हुई जुबानी झडप को लेकर, उसको जारी किए गए क्रिमिनल कंटेम्प्ट (अपराधिक अवमानना) नोटिस के खिलाफ शीर्ष कोर्ट में याचिका दायर की थी।

वकील महेश तिवारी ने 16 अक्टूबर को न्यायमूर्ति राजेश कुमार के साथ तीखी बहस की थी, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। बहस के दौरान, तिवारी ने न्यायमूर्ति कुमार से कहा था, आप "सीमा पार नहीं करें।"

झारखंड हाई कोर्ट ने इसके बाद तिवारी के खिलाफ क्रिमिनल कंटेम्प्ट नोटिस जारी किया, जिसके बाद वे सुप्रीम कोर्ट गए थे।

लेकिन, उन्हें सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ा झटका लगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तिवारी को हाई कोर्ट की कन्टेम्प्ट प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट आने के लिए फटकार लगाते हुए कहा, "वे सुप्रीम कोर्ट से सिर्फ एक आदेश चाहते थे, ताकि वे दिखा सकें कि आपने "क्या बिगाड़ लिया मेरा।"

चीफ जस्टिस ने कहा, "अगर वे माफी मांगना चाहते हैं, तो माफी मांगें। अगर वे जजों को आंख दिखाना चाहते हैं, तो आगे बढ़ सकते हैं। हम यहाँ बैठे हैं, और फिर हम भी देखेंगे।"

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि तिवारी माफी मांगते हैं, तो हाई कोर्ट को भी इसे सहानुभूतिपूर्वक देख लेना चाहिए।

महेश तिवारी ने न्यायमूर्ति राजेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुष्कर्म मामले में आरोपी क्रिकेटर को अनुसंधान में शामिल होने के निर्देश

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में आरोपी क्रिकेटर यश दयाल को तीस जनवरी तक जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अनुसंधान में शामिल होने के आदेश

- हाई कोर्ट ने क्रिकेटर को अंतरिम राहत देते हुए गिरफ्तारी पर रोक भी लगाई।

दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने यश दयाल को अंतरिम राहत देते हुए उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश यशदयाल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अग्रिम जमानत याचिका में कहा गया कि पीड़िता साल 2023 में कानपुर में घटना होना बता रही है, जबकि मामला दो साल बाद जयपुर के सांगानेर थाने में दर्ज कराया है। इसके अलावा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बांग्लादेश चुनावों में दखल दे रहा है अमेरिका'

बांग्लादेश की निर्वासित प्र.मंत्री शेख हसीना ने एक रिकॉर्डेड ऑडियो मैसेज में आरोप लगाया

- भारत में निर्वासित जीवन जी रही शेख हसीना ने बांग्लादेश की अराजकता और हिंसा के लिए पहली बार यूनुस सरकार की कड़ी आलोचना की।
- शेख हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अमेरिकन डिप्लोमैट्स इस्लामी चरमपंथियों से संपर्क कर रहे हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपना देश छोड़कर भागने के बाद, सार्वजनिक रूप से पहली बार वहां की मौजूदा सरकार की लगातार अराजकता और कानून व्यवस्था की खराब हालत के लिए आलोचना की है।

नई दिल्ली के फॉरेन करेस्पॉन्डेंट्स क्लब में चलाए गए एक रिकॉर्डेड ऑडियो संदेश में, शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस और अंतरिम प्रशासन को सीधे तौर पर अपने देश में बढ़ती अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि मौजूदा शासन केवल विदेशी ताकतों की सेवा कर रहा है और आम लोगों की वास्तविक समस्याओं को नज़रअंदाज़ कर रहा है।

संकेतों में उन्होंने कहा कि अमेरिका देश की चुनाव प्रक्रिया में सीधे हस्तक्षेप कर रहा है। साथ ही ऐसी रिपोर्टें भी सामने आई हैं, जिनसे साफ संकेत मिलता है कि बांग्लादेश में अमेरिकी राजनयिक इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों से संपर्क बना रहे हैं और अशांत हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

रिपार्ट साफ बता रही हैं कि अमेरिकी दूतावास के प्रतिनिधि बांग्लादेश के उत्तरी जिले सिलहट गए थे, जहां उन्होंने जमात-ए-इस्लामी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह संगठन भारत-विरोधी और पाकिस्तान-समर्थक के रूप में जाना जाता है। ये लोग बांग्लादेश को एक कट्टर इस्लामी राष्ट्र बनाने की मुहिम चला रहे हैं।

बांग्लादेश में दो महीनों में संसदीय चुनाव होने हैं और सत्ता हासिल करने के लिए जोरदार जोड़-तोड़ चल रही है। पूरा चुनावी माहौल काफी हद तक भारत से रिश्तों के मुद्दे पर टिका हुआ है। हालांकि बांग्लादेश को पाकिस्तान की सेना से आज़ाद कराने में भारत की अहम भूमिका रही थी, लेकिन इसके बावजूद, देश जल्दी ही एक इस्लामी गणराज्य में बदल गया और भारत-विरोधी रुख अपनाने लगा

1971 में आज़ादी पाने के तुरंत बाद, देश के महान स्वतंत्रता सेनानी शेख मुजीबुर रहमान की नृशंस हत्या कर दी गई। इसके बाद, एक के बाद एक, सैन्य तख्तापलट हुए और लोकतंत्र काफी समय बाद जाकर बहाल हो पाया।

लेकिन करीब डेढ़ साल पहले शेख हसीना की सरकार की बेदखली के बाद, देश पूरी तरह अराजकता और कानूनहीनता की स्थिति में डूब गया। बांग्लादेश में जमातियों का मुख्य गुस्सा खास तौर पर हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ देखने को मिला।

शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से हिंदुओं पर हमलों की अनेक घटनाएं हुई हैं और कई हिंदू युवकों की खुलेआम हत्या की गई है। एक मामले में एक हिंदू गारमेंट फैक्ट्री कर्मचारी को पीट-पीटकर मार डाला गया और बाद में उसके शव को ठोकरें मारी गईं और आग लगा दी गई।

इस घटना से पूरी दुनिया में भय और आक्रोश पैदा हुआ था, जिसमें अमेरिका के कुछ सांसद भी शामिल थे। लेकिन अब वही अमेरिकी प्रशासन वहां के इस्लामी तत्वों से नजदीकी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और जमातियों से बातचीत की प्रक्रिया शुरू कर रहा है।

भारत के पड़ोस में अमेरिका की यह गतिविधि भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड व कश्मीर घाटी में भारी हिमपात

- दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा।

नयी दिल्ली, 23 जनवरी। उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में शुक्रवार को मौसम के बदले मिजाज के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कश्मीर घाटी और उत्तराखंड में हिमपात, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के कारण जनजीवन खासा प्रभावित हुआ।

कश्मीर घाटी में भारी हिमपात और जम्मू संभाग में मूसलाधार बारिश के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। राजमार्ग पर फंसे यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रुकने और मौसम साफ होने तक प्रतीक्षा करने की सलाह दी गई है।

घाटी में हो रही हिमपात का सबसे व्यापक असर हवाई सेवाओं पर पड़ा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चीन के पास फ्री पास था, भारत के पास यह सुविधा नहीं होगी'

भारती ग्रुप के सीईओ सुनील भारती मित्तल के इस कथन में निहित है नई ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी की वास्तविकता

- मित्तल ने दावोस में पत्रकारों से वार्ता में कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था का उभार निर्यात पर आधारित था। यह वह दौर था, जब तीन दशकों तक पश्चिमी देशों ने औद्योगिक आत्मनिर्भरता के बजाय सस्ते सामान को तवज्जो दी, जिसका चीन ने भरपुर फायदा उठाया और अपनी निर्माण क्षमता बढ़ाकर वह अन्तर्राष्ट्रीय सप्लाई चेन का जरूरी हिस्सा बन गया।
- मित्तल ने कहा, पर, भारत को यह सुविधा नहीं मिलेगी, क्योंकि अब विश्व में माहौल सख्त है और व्यापार अब सुरक्षा, राजनीति और परस्पर भरोसे का विषय बन चुका है।
- लेकिन मित्तल काफी आशावादी हैं, उनका कहना है कि फ्री पास नहीं होने का अर्थ यह नहीं है कि अवसरों की कमी है, भारत की सबसे बड़ी ताकत है, जनसंख्यात्मक, आर्थिक व रणनीतिक रूप से इसका आकार।
- मित्तल ने कहा, भारत जीतेगा इसलिए नहीं कि विश्व दयालु है, बल्कि इसलिए कि भारत को बाहर रखना विश्व के लिए कदापि व्यवहारिक नहीं है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। दावोस में भारती समूह के संस्थापक सुनील भारती मित्तल की यह सीधी टिप्पणी, "चीन को फ्री पास मिला था, भारत को नहीं मिलेगा", आज की नई वैश्विक व्यापार सच्चाई को साफ तौर पर दिखाती है।

विश्व आर्थिक मंच में बोलते हुए मित्तल ने कहा कि वे दो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की सीधी तुलना नहीं कर रहे थे। उनका कहना था कि वैश्विक व्यापार के नियम अब गहराई से बदल चुके हैं, और भारत की सफलता चीन मॉडल की पुरानी यादों पर नहीं, बल्कि बड़े पैमाने, मजबूती और रणनीतिक आत्मविश्वास पर निर्भर करेगी।

चीन का निर्यात आधारित उदय ऐसे समय में हुआ, जब वैश्वीकरण बेहद उदार दौर से गुजर रहा था। करीब तीन दशकों तक पश्चिमी देशों ने अपने उद्योगों की सुरक्षा से ज्यादा सस्ती वस्तुओं और कम महंगाई को प्राथमिकता दी। व्यापार घाटे बढ़ ते रहे, सरकारी सब्सिडी को नजरअंदाज किया गया और भू-राजनीतिक जोखिमों को हल्के में लिया गया। चीन ने इस माहौल का पूरा फायदा उठाया, बड़े पैमाने पर मैनुफैक्चरिंग कपैसिटी (विनिर्माण क्षमता) खड़ी की, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से गहराई से जुड़ा और कड़ा विरोध शुरू होने से पहले ही विश्व अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन गया।

मित्तल ने कहा, भारत के पास यह सुविधा नहीं है। अब वैश्विक माहौल सख्त हो चुका है। व्यापार अब सिर्फ दक्षता का मामला नहीं रहा, बल्कि सुरक्षा, राजनीति और भरोसे से भी जुड़ गया है। टैरिफ फिर लौट आए हैं, औद्योगिक नीति दोबारा चर्चा में है और आपूर्ति श्रृंखलाओं को इस तरह बदला जा रहा है कि किसी एक देश पर निर्भरता कम हो। सेमीकंडक्टर, टेलीकॉम, रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को तेजी से संरक्षण दिया जा रहा है। ऐसे माहौल में किसी भी देश को बिना विरोध के चीन जैसी पकड़ बनाने नहीं दी जाएगी। भारत के हर कदम पर उसकी प्रगति को परखा जाएगा, उस पर बातचीत होगी और चुनौती दी जाएगी।

फिर भी मित्तल का मूल तर्क आशावादी था। "फ्री पास" नहीं मिलने का मतलब यह नहीं कि मौके खत्म हो गए हैं। बल्कि इसका अर्थ है कि भारत को अलग रणनीति अपनानी होगी। उनके अनुसार, भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका पैमाना है, आर्थिक, जनसंख्यात्मक (डैमोग्राफिक) और रणनीतिक। लगभग 1.5 अरब लोगों का घरेलू उपभोक्ता आधार वैश्विक बातचीत में भारत की स्थिति को पूरी तरह बदल देता है। जो देश केवल विदेशी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बदरीनाथ के कपाट 23 अप्रेल को खुलेंगे

- परम्परा के अनुसार बसंत पंचमी के दिन कपाट खोलने की तिथि घोषित हुई।

देहरादून, 23 जनवरी। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी ग्रीष्मकालीन यात्रा के लिए 23 अप्रैल को विधि - विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। शुक्रवार को वसंत पंचमी के अवसर पर धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित की गई।

इससे पहले गुरुवार को डिम्मर से डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के सदस्य गाडू घड़ा के साथ ऋषिकेश के लिए रवाना हुए। आज सुबह पुजारी गाडू घड़ा लेकर नरेंद्रनगर राज दरबार पहुंचे। यहां परंपरागत तरीके से भगवान बदरी विशाल धाम कपाटोद्घाटन की तिथि घोषित की गई।जिसके अनुसार भगवान बदरी विशाल के कपाट आगामी 23 अप्रैल को ब्रह्म मुहूर्त में 6:15 बजे खोले जाएंगे। जबकि गाडू घड़ा यात्रा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

धन से हम जीवन की सारी सुख सुविधा तो हासिल कर सकते है, पर जीवन में सुकून केवल अच्छे कर्मों से ही आता है।
- अरविन्द कटोच

प्रकृति पर्यावरण और प्रदूषण

प्रकृति पर्यावरण और प्रदूषण एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति में कोई विकृति आएगी तो पर्यावरण बिगड़ेगा जिसका खामियाज़ा हमें प्रदूषण के रूप में उठाना होगा। इन तीनों में सामंजस्य हुआ तो मनुष्य को बेहतर जीवन जीने का अवसर मिलेगा। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। मानव के मनुष्य के जन्म के साथ ही उसका प्रकृति से निकट का सम्बन्ध जुड़ जाता हैं। प्रकृति अपनी चीजों का उपभोग स्वयं नहीं करती। हमारी आधारभूत जरूरतें जैसे हवा, पानी, भोजन आदि सभी प्रकृति से ही प्राप्त होते है साथ ही प्रकृति ने हमें कई प्रकार के फूल, पक्षियां, पशु, पेड़ पौधे, नीला आकाश, ज़मीन, नदिया, समुद्र, पहाड़, प्रदान किया है। जिससे मनुष्य एक बेहतर और अच्छा जीवन व्यतीत कर पाता है। यह कहा जा सकता है प्रकृति ही मानव का पोषण करती आई हैं। मनुष्य प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ रचना है। यदि मनुष्य प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करता रहा तो प्रकृति भी एक दिन इंसान के वजूद के साथ छेड़छाड़ शुरू कर देगी । मनुष्य का यह शरीर भी प्रकृति के पाँच तत्वों से मिल कर बना है, वायु, अग्नि, जल, आकाश, मिट्टी और फिर यह प्रकृति हीं इस शरीर को वापस अपने में मिला लेती है। हम पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व को जारी रखना चाहते हैं तो प्रकृति का संतुलन हर हालत में बनाये रखना होगा। यदि प्रकृति के अनुरूप हमने अपने आप को ढ़ाल लिया तो ठीक नहीं तो अस्तित्व समाप्त होने का खतरा उत्पन्न हो जायेगा।

प्रकृति व पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। प्राकृतिक संपदाओं के महत्व को समझना, उनका किफायती उपयोग करना, उनके संरक्षण को प्राथमिकता देना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। जल, जंगल और जमीन प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जिनके बगैर हमारी प्रकृति अधूरी है। प्रकृति के इन तीनों तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका सन्तुलन डगमगाने लगा है। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हम प्रकृति की चिंता नहीं करते और यही वजह है कि प्रकृति ने भी अब हमारी चिंता छोड़ दी है। हमनें बिना सोचे समझे संसाधनों का दोहन किया है। यही वजह है कि अब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है और बाढ़, सूखा, सुनामी जैसी आपदाएं आ रही हैं। बरसों से पर्यावरण को हम इंसानों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। प्रकृति से साथ इंसान का लगातार खिलवाड़ एक भयानक विनाश को आमंत्रण दे रहा है, जहां किसी को बचने की जगह नहीं मिलेगी। जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं। प्रकृति पर मंडराता खतरा जस का तस बना हुआ है। सबसे बड़ा खतरा तो इसे ग्लोबल वार्मिंग से है। धरती के तापमान में लगातार बढ़ते स्तर को ग्लोबल वार्मिंग कहते है। वर्तमान में ये पूरे विश्व के समक्ष बड़ी समस्या के रुप में उभर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि धरती के वातावरण के गर्म होने का मुख्य कारण का ग्रीनहाउस गैसों के स्तर में वृद्धि है। इसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे प्रकृति पर खतरा बढ़ता जा रहा है। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा।

प्रकृति व पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। प्राकृतिक संपदाओं के महत्व को समझना, उनका किफायती उपयोग करना, उनके संरक्षण को प्राथमिकता देना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। जल, जंगल और जमीन प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जिनके बगैर हमारी प्रकृति अधूरी है। प्रकृति के इन तीनों तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका सन्तुलन डगमगाने लगा है। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है।

प्रकृति के संरक्षण का अर्थ है कि वनों,भूमि,जल निकायों का संरक्षण और खनिजों, ईंधन, प्राकृतिक गैसों आदि जैसे संसाधनों का संरक्षण, यह सुनिश्चित करने के लिए किये सभी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहें। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आम आदमी प्रकृति के संरक्षण में मदद कर सकता है। इनमें से कुछ ऐसे हैं जो आसानी से किए जा सकते हैं और एक बहुत बड़ा बदलाव ला सकत हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है।

इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। प्रकृति के संरक्षण से अभिप्राय जंगलों, भूमि, जल निकायों की सुरक्षा से है तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण खनिजों, ईंधन, प्राकृतिक गैसों जैसे संसाधनों की सुरक्षा से है जिससे यह सुनिश्चित हो सके किये सब प्रचुर मात्रा में मनुष्य के उपयोग के लिए उपलब्ध रहें। ऐसे कई तरीके हैं जिससे आम आदमी प्रकृति के संरक्षण में मदद कर सकता है। यहां कुछ ऐसे ही तरीकों का विस्तृतवर्णन किया गया है जिससे मानव जीवन को बड़ा लाभ हो सकता है।

पृथ्वी के पास हर इंसान की जरूरत पूरी करने के लिए काफी कुछ है, लेकिन उसके लालच को पूरा करने के लिए नहीं हैं। पृथ्वी पर पानी, हवा, मिट्टी, खनिज, पेड़, जानवर, पौधे आदि हर किस्म की जरूरत के लिए संसाधन है। लेकिन औद्योगिक विकास की होड़ में हम पृथ्वी को सफाई और उसके ही स्वास्थ्य को नजर अंदाज करने लगे हैं।

हम कुछ भी करने से पहले यह बिलकुल नहीं सोचते कि हमारी उस गति विधि से प्रकृति को कितना नकुसान होगा। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है।

इनमें मुख्यत: पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं।

मनुष्य का प्रकृति से अटूट सम्बंध है। प्रकृति की रक्षा, उसके संरक्षण और विलुप्ति की कगार पर पहुंच रहे जीव-जंतु तथा वनस्पति की रक्षा का संकल्प प्रत्येक मानव का है। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है। इनमें मुख्यत: पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं।

मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण, वातवरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा।

हमारा शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से मिल कर बना है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तथा उससे अपनापन रखते हैं तो प्रकृति भी हमारे शरीर की रक्षा करेगी। हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बचे रहेंगे। प्रकृति का संरक्षण मानव जाति का संरक्षण है क्योंकि ये प्राकृतिक तत्व ही हैं जो हमें जीवन देते हैं। ऐसे में यह समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने आसपास के प्रकृतिक संसाधनों की रक्षा करे।

बालमुकुन्द ओझा,
अतिथि संपादक,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार।

राजस्थान का युवा केंद्रित विकास मॉडल - अवसर, विश्वास और सशक्त भविष्य

सुरभि मिश्रा

वसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के पावन अवसर पर राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए की गई घोषणाएं राजस्थान के दीर्घकालिक और समावेशी विकास की दिशा में एक स्पष्ट नीतिगत संकेत प्रस्तुत करती हैं। इस अवसर पर 1,000 करोड़ रूपये से अधिक की विभिन्न योजनागत सौगातों के माध्यम से यह प्रतिपादित किया गया है कि राज्य की विकास नीति का केंद्र उसका युवा वर्ग है और सरकार युवाओं को केवल भविष्य की आशा नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति मानती है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार यह विश्वास रखती है कि शिक्षा, कौशल, रोजगार और उद्यिमता के अवसरों से युक्त युवा ही सशक्त राजस्थान की आधारशिला बन सकता है। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास के क्षेत्रों में समन्वित एवं परिणामोन्मुखी निर्णय लिए गए हैं, ताकि युवाओं को आत्मनिर्भर, सक्षम और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

शिक्षा और छात्र कल्याण को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के हित में 300 करोड़ रूपये से अधिक की राशि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की है। इसके अंतर्गत 3 लाख विद्यार्थियों को 126.81 करोड़ रूपये का प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, 3.34 लाख विद्यार्थियों को 130 करोड़ रूपये की लागत से नि:शुल्क साइकिल वितरण तथा 4.40 लाख विद्यार्थियों को 53 करोड़ रूपये की राशि का डायरेक्ट ट्रांसफर सुनिश्चित किया गया है।इन पहलों से न केवल शिक्षा से जुड़ा आर्थिक बोझ कम हुआ है, बल्कि विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति निरंतरता और आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है।

राज्य सरकार शिक्षा को केवल अकादमिक उपलब्धि तक सीमित नहीं मानती, बल्कि उसे संस्कार, अनुशासन और सामाजिक चेतना से जोड़ने पर भी बल देती है। इसी क्रम में 75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदन जैसे आयोजनों के माध्यम से शिक्षा के सांस्कृतिक और नैतिक पक्ष को सशक्त किया गया है। साथ ही, युवा संवाद तथा अभिभावक-शिक्षक संवाद जैसे कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि नीतियों का निर्माण जमीनी अनुभवों और सुझावों के आधार पर हो। युवाओं की प्रगति के लिए पारिवारिक सामाजिक सुरक्षा को एक महत्वपूर्ण आधार मानते हुए राज्य सरकार ने 700 करोड़ रूपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि का हस्तांतरण किया है। इससे कमजोर वर्गों को आर्थिक संबल मिला है और युवाओं पर पारिवारिक दायित्वों का दबाव कम हुआ है, जिससे वे अपने शैक्षिणक, व्यावसायिक और कौशल विकास के लक्ष्यों पर अधिक एकाग्रता के साथ आगे बढ़ पा रहे हैं।

रोजगार के क्षेत्र में राज्य सरकार ने पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। एक लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं तथा आगामी एक लाख पदों के लिए भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया गया है। इससे युवाओं में यह विश्वास सुदृढ़ हुआ है कि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष, स्पष्ट और समयबद्ध होगी। इसके साथ ही सरकार यह भी स्वीकार करती है कि बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में केवल सरकारी नौकरी ही रोजगार का एकमात्र माध्यम नहीं हो सकती। इसी सोच के साथ युवा नीति-2026 और रोजगार नीति-2026 को लागू किया गया है। इनके अंतर्गत निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, सेवा उद्योग, तकनीक आधारित रोजगार और डिजिटल प्लेटफॉर्म को समान महत्व दिया गया है। इन नीतियों का लक्ष्य मार्च 2029 तक 15 लाख रोजगार अवसरों का सृजन करना है। स्वरोजगार और उद्यिमता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना-2026 को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। इसके तहत 1 लाख युवाओं को 10 लाख रूपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। शैक्षिणक योग्यता के अनुसार सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों में अलग-अलग ऋण सीमाएं निर्धारित की गई हैं। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवाओं को समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। यह पहल युवाओं को रोजगार चाहने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि युवा केवल शैक्षिणक रूप से ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक रूप से भी सक्षम हों। इसी उद्देश्य से बड़े पैमाने पर कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से युवाओं को तकनीकी, व्यावसायिक और डिजिटल दक्षताओं से जोड़ा जा रहा है। यह प्रयास स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, पलायन को रोकने और क्षेत्रीय संतुलन स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। राजस्थान आज एक ऐसे चरण में है, जहां उसकी युवा शक्ति राज्य के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास के चार स्तंभों पर आधारित यह युवा-केंद्रित विकास मॉडल राज्य को सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निर्णायक सिद्ध हो रहा है। राज्य सरकार का सतत प्रयास है कि युवा केवल योजनाओं के लाभार्थी न रहें, बल्कि राजस्थान के विकास में सक्रिय सहभागी बनें। निरंतरता, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ यह दृष्टिकोण आने वाले वर्षों में राज्य के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला सिद्ध होगा।

सुरभि मिश्रा
अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी

विधानमंडलों में एआई : सुविधा के साथ सावधानी भी

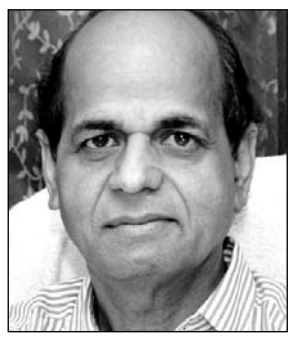

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

डिजिटल परिवर्तन के इस दौर में कृत्रिम मेधा (एआई) लोकतांत्रिक संस्थाओं के कामकाज को अधिक तेज़, सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। किंतु सुविधा की इस चमक के पीछे सावधानी का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विधानमंडलों के संदर्भ में एआई का उपयोग केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित न रहकर संवैधानिक विवेक, मानवीय संवेदना और उत्तरदायित्व की कसौटी पर भी परखा जाना आवश्यक है। यहां इसी संतुलन की पड़ताल का प्रयास किया गया है जिससे तकनीक लोकतंत्र की सहायक बने, उसका विकल्प नहीं।

डिजिटल युग में लोकतंत्र के भविष्य को लेकर हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर्स और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (सीएसपीओसी) का यह संदेश स्पष्ट और दूरगामी रहा कि 'तकनीक लोकतंत्र को सक्षम बना सकती है, किंतु वह मानवीय विवेक का स्थान नहीं ले सकती। 16 जनवरी 2026 को सम्मेलन के समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश द्वारा व्यक्त इस साझा अभिमत ने यह रेखांकित किया कि कृत्रिम मेधा (एआई) अब केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं रही, बल्कि नीति निर्माण और विधायी प्रक्रियाओं को प्रभावित करने वाली एक निर्णायक शक्ति बन चुकी है। ऐसे समय में जब विश्व के 127 से अधिक देशों में एआई के नियमन पर गंभीर बहस चल रही है, भारत और उसके राज्य विधानमंडलों के लिए यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक को कितनी छूट दी जाए और विवेक की सीमाएँ कहाँ खींची जाए।

लोकतंत्र का मूल स्वभाव मानवीय है। संसद और विधानसभाएँ केवल कानून बनाने वाले संस्थान नहीं, बल्कि समाज की चेतना, संवेदना और विविधताओं की अभिव्यक्ति का मंच हैं। एआ इस व्यवस्था में गति, दक्षता और पारदर्शिता ला सकता है, परंतु यदि सावधानी का संतुलन टूटे तो यही सुविधा लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती भी बन सकती है।

विधायी कार्यों में एआई : विधायी प्रक्रियाओं में शोध, दस्तावेज़ीकरण और सूचना-संसाधन की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। एआई हजारों पृष्ठों के विधेयकों, नियमावलियों, न्यायिक निर्णयों और अंतरराष्ट्रीय उदाहरणों का त्वरित विश्लेषण कर सकता है। भारतीय संसद में इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जहाँ लगभग 48,000 तकनीकी शब्दों वाले 'संसदीय शब्दावली' के शब्दकोश को एक विशेष एआई मॉडल के साथ जोड़ा गया है। यह शोध की प्रक्रिया को न केवल तेज़ बल्कि त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कानून के प्रारूपण में भी एआई सहायक सिद्ध हो सकता है। विशेषकर भाषा की स्पष्टता, संदर्भों की संगति और मौजूदा कानूनों से टकराव की पहचान जैसे कार्यों में। बहुभाषी भारत में 22 भारतीय भाषाओं में संसदीय दस्तावेजों के अनुवाद और बहसों के विश्लेषण के लिए इसका उपयोग शुरू हो चुका है। कोई भी नागरिक अपनी मातृभाषा में सदन की कार्यवाही का सटीक और तात्कालिक अनुवाद सहजता से देख सकता है। इसे लोकतंत्र का वास्तविक सशक्तीकरण ही कहा जायेगा।

राजस्थान विधानसभा: डिजिटल प्रयोग और यथार्थ

राजस्थान विधानसभा के लिए यह विमर्श विशेष महत्व रखता है। हाल के वर्षों में विधानसभा ने 'नेशनल -विधान एप्लिकेशन' (नेवा) के माध्यम से काग़ज़ रहित कार्यवाही, प्रश्नोत्तर, विधेयकों और समितियों के दस्तावेज़ों को डिजिटल मंच पर लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रश्नों की ऑनलाइन प्रक्रिया, सदन की कार्यवाही का डिजिटल अभिलेखन और विधायकों को टैब आधारित सूचनाएँ उपलब्ध कराना ये समस्त कदम दक्षता बढ़ाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण एवं सराहनीय हैं।

हाल के वर्षों में राजस्थान विधानसभा यह चिंता जता चुकी है कि तुच्छ या दोहराव वाले प्रश्न संसदीय समय और ऊर्जा को नष्ट करते हैं। एआ यहाँ एक सहायक बन सकता है लेकिन यह तय करना कि को प्रश्न तुच्छ है या जनहित से जुड़ा, यह निर्णय अंतत: जनप्रतिनिधि का ही होना चाहिए, मशीन का नहीं।

राजस्थान का सामाजिक और भौगोलिक परिदृश्य यह भी दर्शाता है कि नीति-निर्माण केवल आँकड़ों से संभव नहीं। मरुस्थलीय क्षेत्रों की जल-समस्या, सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा-संवेदनशीलता, किसानों और पशुपालकों की आजीविका इन सबकी पीड़ा किसी मशीनी गणना (एल्गोरिद्म) के पूर्णत: समझ में नहीं आ सकती। एआ आँकड़े दे सकता है, रुझान बता सकता है, पर ज़मीनी सच्चा को आत्मसात करने का विवेक केवल निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के पास होता है। इसलिए राजस्थान विधानसभा में एआ की भूमिका सहायक तक सीमित रहना ही लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित है।

वैश्विक स्तर पर विधायी क्षेत्र में एआ का हस्तक्षेप तेज़ी से बढ़ा है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 से 2023 के बीच दुनिया भर की संसदों में एआ से संबंधित 123 विधेयक पारित किए गए। वर्तमान में संसदें स्वयं को काग़ज़ आधारित संगठनों से बदलकर डेटा संचालित संस्थाओं में रूपांतरित कर रही हैं। एस्तोनिया में स्वचालित स्टेनोग्राफी, इटली में दस्तावेजों का मशीनी अनुवाद और ब्राजील में नागरिकों की टिप्पणियों का वर्गीकरण इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। ये उपकरण न केवल समय बचाने में सक्षम हैं, बल्कि विधायी कर्मचारियों को अधिक जटिल और विश्लेषणात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की सुविधा भी देते हैं।

नवाचार, संयम और संस्थागत ज्ञान : विधायिका में एआई को अपनाने का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत नवाचार और संयम का संतुलन है। अनियंत्रित नवाचार जहाँ गलत सूचना या मशीनी पक्षपात का जोखिम बढ़ाता है, वहीं अत्यधिक संयम संस्थागत जड़ता का कारण बन सकता है। यदि तकनीक के डर से उसे पूरी तरह नकार दिया जाए, तो लोकतांत्रिक संस्थाएं आधुनिक चुनौतियों का सामना करने में पिछड़ जाएंगी। अत: एआई का उपयोग हमेशा संदर्भपरक और नैतिक होना चाहिए। वेस्टमिंस्टर फाउंडेशन फॉर डेमोक्रेसी के दिशा-निर्देश भी इसी चरणबद्ध दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं, जहाँ किसी भी तकनीक को पहले नियंत्रित वातावरण में परखना अनिवार्य है।

एआई के पास सूचनाओं का ढेर हो सकता है, लेकिन संस्थागत ज्ञान और संवेदना केवल मनुष्यों के पास होती है। भारतीय संसदीय प्रयासों में तकनीकी सहायता के बावजूद, अंतिम नियंत्रण हमेशा मानवीय विशेषज्ञों के हाथ में रखा गया है। लोकतंत्र केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि वर्षों के अनुभव और जवाबदेही से संचालित होता है। एक मशीनी गणना यह तो बता सकती है कि स्वास्थ्य बजट में कितनी वृद्धि हुई, लेकिन वह किसी सुदूर गाँव के अस्पताल की ज़मीनी पीड़ा और वहाँ की मानवीय संवेदना को नहीं समझ सकती।

यह विवेक केवल निर्वाचित जनप्रतिनिधि के पास ही सुरक्षित रहता है। भारत की एआई पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को गहराई से समझना और कार्यप्रणाली को 'तेज़' के साथ-साथ 'विश्वसनीय' बनाना भी है।

तकनीक साधन है, समाधान नहीं

एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, बल्कि एक साधन है। यह विधायकों और विधानसभा कर्मियों का बोझ कम कर सकता है, शोध को सुदृढ़ कर सकता है और पारदर्शिता बढ़ा सकता है। किंतु वह विवेक, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। लोकतंत्र को मशीनी तंत्र नहीं, बल्कि एक जीवंत मानवीय व्यवस्था है। संसद और विधानसभाओं को केवल सुविधाजनक नहीं, बल्कि उत्तरदायी होना चाहिए। यदि तकनीक का उपयोग पारदर्शिता और शोध के लिए किया जाता है, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मज़बूत करेगा। लेकिन यदि विवेक को तकनीक के हवाले कर दिया गया तो यह व्यवस्था को भीतर से खोखला कर सकती है।

राजस्थान सहित देश की सभी विधानसभाओं के लिए यह सही समय है कि वे एआई को अपनाएँ, पर आँख मूँदकर नहीं स्पष्ट नियमों, नैतिक मर्यादाओं और मानवीय नियंत्रण के साथ। सुविधा से आगे बढ़ते हुए सावधानी को अनिवार्य बनाना ही लोकतंत्र की रक्षा का समुचित मार्ग है। अंतत: यह सत्य सदैव प्रासंगिक रहेगा कि संकट चाहे कितना भी आधुनिक हो, मानवीय धैर्य और मानसिक कौशल ही सबसे अचूक प्रहार सिद्ध होते हैं। विधानमण्डलों के कार्यकरण में एआई को सहायक बनाया जाए निर्णायक नहीं; विश्लेषक बनाया जाए न्यायकर्ता नहीं। तकनीक लोकतंत्र की सेवक बनी रहे, स्वामी नहीं, यही आधुनिक भारत के संसदीय लोकतंत्र की गरिमा का मूल आधार होगा।

- डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
वरिष्ठ लेखक।

रात में बरसे बादल, सुबह तक गरजे

बीकानेर, (निसं)। यहा मौसम एक बार फिर बदल गया है। अब पश्चिमी विक्षोभ के चलते देर रात जहां हल्की बरसात हुई, वहीं सुबह तक बादलों का जमावड़ा बना हुआ है। रात में बादल इतने तेज गरजे की लोगों की नींद ही खुल गई। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दस दिन तक बीकानेर में इसी तरह का मौसम रहेगा। इधर, शादियों का सीजन शुरू हो गया है, ऐसे में लोगों को व्यवस्था की चिंता हो रही है। बीकानेर में देर रात हल्की बूंदाबांदी हुई। लोग सुबह उठे तो सड़कें भीगी हुई नजर आई।

रातभर बादलों के गरजने की आवाज ने परेशान किया। बारिश से मौसम सुहाना हो गया है, वहीं मावठ की इस बारिश से किसान के चेहरे खिले हुए हैं। ये बारिश फसल के लिए फायदेमंद रहेगी। गुरुवार को बारिश पश्चिमी विक्षोभ से हुई हे। अब 26 जनवरी को फिर नया विक्षोभ आ सकता है। इससे भी बारिश होगी। माना जा रहा है कि अब फरवरा ं के शुरूआती दिनों तक ऐसा ही माहौल रहेगा। फरवरी के पहले सप्ताह में शादियों के आयोजन शुरू हो चुके हैं, जिसमें बारिश के कारण खलल पड़ना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा का कहना है कि दो विक्षोभ के कारण एक सप्ताह तक मौसम में उतार-चढ़ाव और बदलाव देखने को मिलेगा। फरवरी के पहले सप्ताह से मौसम सामान्य हो जाएगा।

दरअसल दो विक्षोभ कट-टू-कट आ रहे हैं। पहला विक्षोभ गुरुवार से शुरू हो गया, जिसका असर बारिश के रूप में 23 जनवरी को देखने को मिल सकता है। दूसरा विक्षोभ 26 को आएगा। उसका असर 27 तक रहने के आसार हैं। इसलिए शादियों के सीजन में लोगों को सतर्क रहना होगा।

राशिफल शनिवार 24 जनवरी 2026

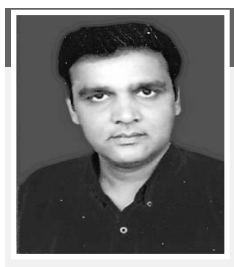

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, शनिवार, विक्रम सम्वत 2082, उत्तरा भाद्रप्रद नक्षत्र दिन 2.16 तक, शिव योग दिन 2.02 तक, कौलव करण दिन 1.13 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरु-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतू-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज रवियोग दिन 10.50 तक है। रवियोग दिन 2.16 से पुन: आरम्भ होगा। आज पंचक शीतलाअष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघडिया - शुभ 8.40 से 9.59 तक, चट 12.39 से 1.59 तक, लाभ-अमृत 1.59 से 4.38 तक राहुकाल 9.00 से 10.30 तक

सूर्योदय 7.20 सूर्यास्त 5.58

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी।

वृष
आर्थिक-व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा सम्भव है।

मिथुन
- व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सम्भव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल आत्मविश्वास बडेगा। आवश्यक ओर महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे।

सार-समाचार

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर 25 को

मदनगंज-किशनगढ,(निस)।लायन्स क्लब किशनगढ क्लासिक के तत्वावधान में बाबा साहेब रतनलाल पाटनी की पुण्य स्मृति में आर के मार्बल ग्रुप के आर्थिक सहयोग से 25 जनवरी को सूरज देवी सभागार में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन होगा। सुबह 9 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोज्य शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के डॉक्टर सेवाएं देंगे। अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि रोगी को अपने साथ आधार कार्ड की दो फोटो कॉपी, एक जोडी ड्रेस, दवा पर्ची साथ मे लानी होंगी।सचिव रमाकांत काबरा, संयोजक मुकेश गोयल व महेंद्र नाहर ने बताया कि निशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए उपयुक्त पाए जाने पर रोगी को प्रत्यारोपण के लिऐ जयपुर ले जाया जाएगा, जिसमे रोगी के लिये नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के साथ बस व्यवस्था, भोजन सहित सभी व्यवस्थाएं निःशुल्क होगी

मेगा पीटीएम व मेले का आयोजन

अजमेर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार बसंत पंचमी पर्व के पावन अवसर पर शुक्रवार को जिले के समस्त राजकीय विद्यालयों में मेगा पीटीएम अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा एक से 12 तक के विद्यार्थियों के अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने बच्चों की शैक्षिणक प्रगति, अधिगम स्तर एवं सर्वांगीण विकास की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही जिले के सभी पीईईओ विद्यालयों में कक्षा एक से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए निपुण मेला आयोजित किया गया। कृष्ण भोग का भी आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जयपुर से वर्चुअली सम्बोधित किया। अजमेर में जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रहे। इस उपलक्ष में जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम राजकीय सावित्री बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। इसमें विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, जिला कलक्टर लोकबंधु सहित जनप्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों एवं बडी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

ग्राम उत्थान शिविर का आयोजन

मसूदा। ग्राम पंचायत बेगलियावास में भू-अभिलेख निरीक्षक क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उत्थान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन सहायक शिविर प्रभारी रामकरण मीणा के निर्देशन में किया गया।शिविर के दौरान कृषि विभाग द्वारा 30 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। साथ ही आठ किसानों के मोबाइल में फसल बीमा योजना का अनुप्रयोग डाउनलोड कराया गया तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। राजस्व विभाग की ओर से चार नामांतरण शुद्धि प्रकरण एवं एक रास्ते का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। डेयरी विभाग द्वारा 20 नए सदस्य पंजीकृत किए गए। पंचायत राज विभाग ने शेरगढ़ ठाम में 50 तथा बेगलियावास ठाम में 60 स्वामित्व प्रमाण पत्र वितरित किए। शिविर में बेगलियावास प्रशासक महेंद्र सिंह रावत, शेरगढ़ प्रशासक देशराज चौधरी, तारा सिंह, विजय नारायण सोनी, ठाम विकास अधिकारी बृजेश व्यास, कनिष्ठ सहायक गणेश राम चौधरी, भू-अभिलेख निरीक्षक सत्यनारायण बेरवा, पटवारी राजू राम परसोइया, रेखा गोस्वामी, कुलदीप गोस्वामी, कृषि पर्यवेक्षक कल्याण मल रेगर, पशुधन सहायक पंकज प्रजापति सहित शिवराज चौधरी, मिश्रीलाल चौधरी, सुरेश शर्मा, सुनील प्रजापत एवं विक्रम चौधरी उपस्थित रहे।

फर्जी आपत्तियों पर कांठोस ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखा पत्र

अजमेर, (कासं)। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांठोस प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता ने राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन को पत्र लिखकर मतदाता सूची में फर्जी आपत्तियों के माध्यम से नाम हटाने के प्रयासों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। रलावता ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी के बूथ लेवल एजेंटों द्वारा राजनीतिक उद्देश्य से कांठोस पदाधिकारियों एवं मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों के वैध मतदाताओं के नाम हटाने हेतु फर्जी आपत्तियां प्रस्तुत की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मताधिकार की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और किसी भी प्रकार का दुरुपयोग लोकतंत्र के लिए घातक है।उन्होंने बताया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत बीएलओ द्वारा मतदाता सूची का सत्यापन एवं प्रारूप प्रकाशन के बाद इस प्रकार की आपत्तियां निरर्थक हैं। फॉर्म नंबर 7 की सत्यता की जांच के पश्चात ही नाम हटाए जाएं तथा झूठी आपत्तियां पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए।उन्होंने बताया कि 15 जनवरी 2026 तक कुल 5485 फॉर्म नंबर 7 जमा हुए, जबकि 16 से 19 जनवरी के बीच 1277 नई आपत्तियां दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों से संबंधित हैं।

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर नई सुविधा

अजमेर। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान संपर्क शिकायत निवारण पोर्टल पर नागरिकों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई सुविधा प्रारंभ की गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन अभियोग निराकरण विभाग दिनेश कुमार ने बताया कि अब निस्तारित शिकायतों की एटीआर व्हाट्सएप के माध्यम से भी सीधे शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराई जाएगी। शिकायत के निस्तारण के पश्चात संबंधित एटीआर का लिंक व्हाट्सएप पर भेजा जाएगा।

नवपंख संस्था द्वारा राजकीय विद्यालय में बसंत पंचमी कार्यक्रम का आयोजन

अजमेर, (कासं)। नवपंख संस्था द्वारा 23 जनवरी 2026 को ट्राम्बे राजकीय विद्यालय में बसंत पंचमी पर्व बड़े उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति, ज्ञान एवं रचनात्मकता के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।

एक प्रतिभाशाली छात्र द्वारा कहा गया कि लक्ष्मी की चोरी हो सकती है परंतु सरस्वती की नहीं इसलिए हमें संतानों को शिक्षित करना जरूरी है ।मां सरस्वती का आशीर्वाद हम सब पर बना रहे तो हम स्वत: ही धनवान बन सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों के लिए रंगोली प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने बसंत पंचमी के महत्व को दर्शाते हुए सुंदर एवं आकर्षक रंगोलियां व पोस्टर बनाए। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य ने भी कार्यक्रम की सराहना की तथा बच्चों को ऐसे आयोजनों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही नवपंख संस्था के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करते हैं।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत प्रदर्शनी का शुभारंभ

■ विधानसभा अध्यक्ष ने की कारीगरों के उत्पादों की खरीद

अजमेर,। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत अजमेर के अरबन हाट में आयोजित त्रिदिवसीय प्रदर्शनी एवं सह-व्यापार मेले का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा किया गया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर विश्वकर्मा कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, औजार, परिधान एवं अन्य उत्पादों की खरीद कर कारीगरों का उत्साहवर्धन किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से परंपरा को प्रगति से जोड़ते हुए कारीगरों को आधुनिक बाजार से जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को अपनाने से न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहती है, बल्कि कारीगरों की आजीविका भी सुदृढ़ होती है। योजना के अंतर्गत 18 श्रेणियों के पारंपरिक कामगारों को कम ब्याज दर पर ऋण, आधुनिक टूल किट, प्रशिक्षण और विपणन सहायता प्रदान की जा रही है।

अवैध ब्राउन शुगर बरामद

डूंगरपुर। पुलिस द्वारा अवैध कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत् पुलिस नाकाबंदी के दौरान संदिग्धों को रोक कर तलाशी के दौरान एक स्कूटी पर जा रहे तीन युवकों से ब्राउन शुगर बरामद किया। मुखबिर के जरिए मिली सूचना के आधार पर बीती रात को दोवडा तिराहे पर नाकाबंदी के दौरान एक बिना नंबर की स्कूटी को रोक कर जब पूछताछ करने लगे तो वह घबरा गए।

आम सूचना सम्पत्ति प्लॉट संख्या 5, आदर्श नगर, वुल प्रेस कॉलोनी, अजमेर रोड, ब्यावर के दक्षिण पूर्वी हिस्से जिसका माप 148 वर्गगज है को श्री इंद्र चंद मंगल द्वारा अपने दामाद श्री दिनेश कुमार गुप्ता को जरिए पंजीकृत दान पत्र दिनांक 03/06/1991 द्वारा बकशीश में दिया गया। उक्त असल दस्तावेज गुम है। उक्त संपत्ति के हाल मालिक श्री चिन्मय अग्रवाल व श्रीमती रेखा अग्रवाल इस संपत्ति को गिरवी कर मेरी अभिभाष्य टाटा कैपिटल लिमिटेड से ऋण प्राप्त कर रहे है। यदि इस संव्यवहार से किसी व्यक्ति को कोई उज्र हो तो आज से सात दिवस में निम्न व्यक्ति से संपर्क करें।
सौरभ व्यास (एडवोकेट), 9829933141

बसंत पंचमी हर्षोल्लास से मनाई गई

अजमेर, (कासं)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल द्वारा संचालित सागर कॉलेज एवं मीनू स्कूल में 'लहर कार्यक्रम' के अंतर्गत बसंत पंचमी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना से हुआ, जिससे परिसर में ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना। कार्यक्रम में नेमीचंद वैष्णव, नानूलाल प्रजापति, तरुण शर्मा, डॉ. बी.एस. शर्मा आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर
Web Site - www.urban.rajasthan.gov.in/ada E-Mail - ajmerada@gmail.com Tel. No. - 0145-2627748, 2627749

ई-नीलामी में अमानत राशि जमा एवं बोली दिनांक 21.01.2026 से लगाई जा सकती है।
भूखण्डों की ई-नीलामी दिनांक 05.02.2026 से 18.02.2026

35 वेयर हाउस, फार्म हाउस, व्यावसायिक एव रिसोर्ट भूखण्ड
पूर्ण भुगतान के लिए 180 दिवस का समय, 15 दिवस में पूर्ण राशि जमा कराने पर 2 प्रतिशत की छूट देय है।

02 पुष्कर वेडिंग डेस्टिनेशन योजना होकरा फार्म हाउस भूखण्ड	03 पुष्कर वेडिंग डेस्टिनेशन योजना होकरा एवं होकरा-1 रिसोर्ट भूखण्ड	07 ब्रह्मा एन्क्लेव कानस रिसोर्ट भूखण्ड
03 सूरज कुण्ड रिसोर्ट भूखण्ड	04 सूरज कुण्ड फार्म हाउस भूखण्ड	03 सूरज कुण्ड ईकोलोजिकल हाउस भूखण्ड
01 पृथ्वीराज नगर व्यावसायिक भूखण्ड	07 दौराई व्यावसायिक भूखण्ड	05 नारेली वेयर हाउस एवं व्यावसायिक भूखण्ड

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें:- 6378528215
टोडमरल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर- 305001
राज.संवाद/सी/25/17853

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

युवा शक्ति का सामर्थ्य, विकसित भारत की पहचान

सरकारी सेवाओं के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने की एक राष्ट्रव्यापी पहल

रोजगार मेला

देश भर में 45 स्थानों पर सरकारी सेवाओं में चयनित
61,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के द्वारा
24 जनवरी, 2026 | प्रात: 11:00 बजे

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से

भारत सरकार और सहयोगी राज्य सरकारों द्वारा मिलकर रोजगार के लाखों नए अवसरों का सृजन

महिलाओं, दिव्यांगजनों और आकांक्षी जिलों के अभ्यर्थियों को विशेष लाभ

राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की बढ़ती सहभागिता से 'नागरिक प्रथम' के संकल्प की सिद्धि

समान अवसरों के लिए 13 क्षेत्रीय भाषाओं में भर्ती परीक्षाओं की सुविधा

यूपीएससी के 'प्रतिभा सेतु' पोर्टल से प्रतिभाशाली युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध

पारदर्शी एवं समयबद्ध नियुक्ति प्रक्रिया सुनिश्चित एवं पेपर लीक के खिलाफ कड़ा कानून लागू

यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड और आईबीपीएस जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियों के माध्यम से नियुक्तियां

i-GOT कर्मयोगी पोर्टल पर 4200+ से अधिक उच्च गुणवत्ता पाठ्यक्रमों से 1.47 करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी पा रहे प्रशिक्षण

CBC 19101/13/0029/2526

DD NEWS डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

प्रशिक्षण संबंधी अधिक जानकारी के लिए कर्मयोगी मॉड्यूल वेबसाइट https://portal.igotkarmayogi.gov.in/ पर जाएँ या QR कोड को स्कैन करें

बसंत पंचमी पर भारत विकास परिषद की सराहनीय पहल

नसीराबाद। भारत विकास परिषद शाखा नसीराबाद द्वारा बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर स्थानीय मेजर कमलेश राजकीय केंट एरिया उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्या की देवी माँ सरस्वती का नमन कर विद्यार्थियों को बसंत पंचमी के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्म जयंती भी मनाई गई। उपस्थित वक्ताओं ने नेताजी के जीवन, उनके साहस, त्याग और देशभक्ति पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर परिषद के सदस्य एवं भामाशाह सी ए मुकेश ख्यानी द्वारा विद्यालय के लिए 10 प्लास्टिक कुर्सियाँ भेंट की गईं। साथ ही प्राथमिक कक्षाओं के सभी विद्यार्थियों को कॉपी, पेन, पेंसिल आदि शैक्षणिक सामठी वितरित की गई, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ के साथ भारत विकास परिषद के अजमेर जिला समन्वयक अमित चौकड़ीवाल, शाखा अध्यक्ष रवि सोनी, सचिव चंद्रप्रकाश बंसल, भामाशाह सी ए मुकेश ख्यानी, बंशीलाल कुमावत सहित परिषद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस प्रकार के सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

आरपीएससी कार्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन

■ अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली लोकतंत्र की शपथ

अजमेर,। राजस्थान लोक सेवा आयोग कार्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने तथा निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ दिलाई गई।

आयोग सचिव ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1950 में भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी। इसी क्रम में निर्वाचन विभाग राजस्थान के निर्देशानुसार आरपीएससी कार्यालय में 23 जनवरी को सुबह 11 बजे शपथ ठाहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी कार्मिकों ने यह संकल्प लिया कि वे लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को बनाए रखते हुए बिना किसी भय, प्रलोभन, धर्म, जाति, वर्ग, भाषा अथवा समुदाय के प्रभाव में आए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

नकली घी बनाने के कारखाने पर पुलिस ने छापा मारा

■ भारी मात्रा में नामी कंपनीज के नकली घी के टीन मिले

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नर स्पेशल पुलिस सीएसटी और कुड़ी भगतासनी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुड़ी भगतासनी सेक्टर 9 में एक मकान में रेड देकर वहां नकली घी बनाने के कारखाने का खुलासा करते हुए तीन लोगों को हिरासत में लिया है। घर के अलग अलग कमरों में नामी कंपनीज के नाम से नकली घी के टिन और वेपर, ढक्कन इत्यादि मिले है। कार्रवाई रात में की गई। आज सुबह चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई। विभाग की तरफ से नकली घी के अंदेश से सेंपलिंग की गई। घटना के संबंध में कुड़ी पुलिस की तरफ से अब जांच की जा रही है।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश पासवान, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय एव यातायात शाहीन सी. के निर्देशानुसार सुपरविजन अधिकारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय सुनील के पंवार के निकट सुपरविजन में सीएसटी प्रभारी एसआई मेहराज तंवर मय टीम के हाइवे मोबाइल इंचार्ज एएसआई तेजाराम ने कुड़ी भगतासनी स्थित में सेक्टर 9 में एक घर में दबिश दी। वहां कुछ लोग मिले जोकि घी का कारोबार करते दिखें। आरंभिक पड़ताल में पता लगा कि उन लोगों द्वारा नामी कंपनीज के नाम से नकली घी तैयार किया जा रहा था। पुलिस को वहां से सरस, क्षीर, डेयरी बेस्ट, प्राइड, मधुसूदन, कृष्णा, मिल्क फूड व विभिन्न प्रकार के नामी कंपनियों के करीब 120 नकली घी के टिन, लेबल पैकिंग सामग्री व मशीन करीब 25 लाख का दो गोदामों में भरा माल बरामद हुआ है।

Office of The Urban Improvement Trust, Sawai Madhopur

क्रमांक :- प.6(1)नविन्या/तकनीकी निविदा/स.मा./2025-26/201 दिनांक :- 22/01/2026

Notice Inviting Bid (08/2025-26)

Bids for Civil Work (03) is invited from interested bidders up to 06:00 PM (time) 08-02-2026 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in** of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 179.86 Lacs.

UBN-USM2526WSOB00024, USM2526WSOB00025 & USM2526WSOB00026

Raj.Samwad/C/25/18387 **Executive Engineer**

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 22/01/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
e-Tender no. RSMM/CO/GGM (Cont) Cont-17/2025-26 dated 22.01.2026 UBN No. MML2526WSOB00146	संस्थान की जिला-जैसलमेर राजस्थान में स्थित सानू लाईमस्टोन माईन्स पर विभागीय Crushing & Screening Plant के मरम्मत, रखरखाव व इससे संबंधित कार्य करना। (निविदानुसार)। अनुमानित लागत रू. 14.00 लाख, धरोहर राशिः रू. 28,000/-, निविदा प्रपत्र मूल्य 590/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट **www.rsmm.com/www.sppp.rajasthan.gov.in,** अथवा वरि. प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/18365 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगर पालिका मारवाड़ जंक्शन(पाली)

पंचायत समिति के सामने मारवाड़ जंक्शन-306001

क्रमांक : न.पा.मा.जं./विकास/2025-26/611 दिनांकः-08.01.2026

: ई-निविदा सूचना :

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन जिला पाली के विकास शाखा की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेब पोर्टल **https://sppp.rajasthan.gov.in** व **eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर निम्नानुसार है :-

DLB2526WSRC30186

अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/25/18337 नगर पालिका,मारवाड़ जंक्शन

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : न0परि0क0/निविदा/2025/4806 दिनांक : 21.01.2026

संशोधित ई-निविदा सूचना

नगरपरिषद करौली द्वारा आमंत्रित ई-निविदा सूचना संख्या 4263 दिनांक : 19.12.2025 की तिथियों में निम्न प्रकार संसोधन किया जाता है।

क्र.सं.	तिथियों का विवरण	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
1	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	22.01.2026 समय 6:00 पीएम तक	05.02.2026 समय 6:00 पीएम तक
2	निविदा खोलने की तिथि व समय	23.01.2026 समय 1:30 पीएम तक	06.02.2026 समय 02:00 पीएम तक

राज.संवाद/सी/25/18404 आयुक्त, नगरपरिषद, करौली

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005

Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8() RMSC/EPM/M-3/NIB-881/2025-26/1565 Dated :- 21/01/2026

Corrigendum / Addendum

Bid for item X-Ray Machine (500 ma) (NIB-881) are invited from interested bidders up to Date: 09/02/2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website **https://sppp.rajasthan.gov.in** or **www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.**

UBN No. : MSC2526GLOB00068

Executive Director (EPM)

Raj.Samwad/C/25/18373 Rajasthan Medical Services Corporation

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No.1525 **Notice Inviting Bid** Date:-05.01.2026

Bid for "BA-17.00/214.01/2025-26 Per Constituency Rs. 10.00 /15.00 Cr. NP/ML Road Work & Missing Link Work" NIT No. 15/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 31.01.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procuremen portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 213.50 lacs.

क्र.सं.	UBN No.	क्र.सं.	UBN No.
1	PWD2526WSOB20037	2	PWD2526WSOB20038
3	PWD2526WSOB20039		

(Laxmi Narayan Meena)

DIPR/C/1268/2026 Executive Engineer, PWD Division Mangrol

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD CITY DN, KOTA

E-mail ID: eccitypwdkota@rediffmail.com & eckotacity.pwd@rajasthan.gov.in, Phone No. 0744-2323038

(Address-PWD Campus, Rajbhawan Road, Nayapura, Kota-324001 (Raj.)

No. F-3/Tender/Tech./2025-26/D-1883 Dated: 13.01.2026

Notice Inviting Bid

(NIT No. 24/2025-26

Bids for 04 Building work at Kota are Invited from interested bidders upto 06.00 PM of 27.01.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs. 99.65 Lacs. PWD2526WSOB20912 PWD2526WSOB20913 PWD2526WSOB20914 PWD2526WSOB20915

Executive Engineer

DIPR/C/979/2026 PWD City Dn. Kota

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सुल्तानपुर

क्रमांकः 2184 **अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या 45/2025-26** दिनांकः 16.01.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्यके लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 27.01.2026 को 06:00 बजे तक।

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2526WSOB021252	2	PWD2526WSOB021253
3	PWD2526WSOB021254	4	PWD2526WSOB021255
5	PWD2526WSO8021256	6	PWD2526WSOB021257
7	PWD2526WSOB021258	8	PWD2526WSOB021259
9	PWD2526WSOB021260	10	PWD2526WSOB021261

(अंकित बिन्दल)

DIPR/C/1091/2026 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड सुल्तानपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांकः 3752-3760 **ई-निविदा सूचना संख्या: 11/2025-26** दिनांकः 16.01.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सडक कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

NIB Code- PWD2526A5209

UBN No.

1	PWD2526WSOB21059
2	PWD2526WSOB21060

(के.के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/1132/2026

उदयपुर में स्काई विले ट्रैम्पोलिन पार्क में लगी आग

हादसे से पहले निकले लोग, कोई जनहानि नहीं

उदयपुर के नवरत्न कॉम्प्लेक्स में स्थित गेम जोन में आग लगने के बाद पूरी तरह से जलकर राख हुआ गेम जोन।

■ नवरत्न कॉम्प्लेक्स में स्थित गेम जोन पूरी तरह जलकर राख हो गया। यह गेम जोन पूरी तरह से प्लास्टीक के खिलोने एवं फोम पर बना होने से आग जल्दी ही फैलने लगी

■ आग को बुझाने में 7 दमकलों ने 11 फेरे किए

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर के नवरत्न कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में स्थित स्काई विले ट्रैम्पोलिन पार्क के गेम जोन में शुक्रवार शाम अचानक आग लग गई। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉट सर्किट सामने आया है। शहर के बीच स्थित इस गेम जोन में लगी आग को बुझाने में 7 दमकलों ने 11 फेरे किए। करीब एक से सवा एक घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि इसमें किसी तरह की जनहानि नहीं हुई लेकिन गेम जोन पूरी तरह जलकर राख हो गया। यह गेम जोन पूरी तरह से प्लास्टीक के खिलोने एवं फोम पर बना होने से आग जल्दी ही फैलने लगी।

उदयपुर शहर के नवरत्न कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में स्थित स्काई विले ट्रैम्पोलिन पार्क में शुक्रवार शाम करीब 4.15 बजे धुआं उठना शुरू हुआ और धीरे-धीरे आग की लपटे उठने लगी हालांकि ट्रैम्पोलिन पार्क में स्थापित फायर सेफ्टी की मदद से आग पर प्राथमिक तौर पर काबू पाने की कोशिश की गई और इस बीच वहां मौजूद लोग भी बाहर आ गए जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। फायर बिग्रेड को भी इसकी सूचना दी गई और पार्क में लगी आग ने धीरे-धीरे भयावह रूप ले लिया। चीफ फायर ऑफिसर बाबूलाल चौधरी के निर्देश पर अग्निशमन अधिकारी शिवराम मीणा, सहायक अग्निशमन अधिकारी नवदीपसिंह बग्गा मय टीम मौके पर पहुंचे। जहां अशोकनगर, मादड़ी, चेतक फायर स्टेशन से दो दो एवं सुन्दरवास फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ियों सहित सात दमकलों ने 11 फेरे कर करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग को बुझाने में अग्निशमन दल के करीब 22 जनों की टीम लगी।

एनडीपीएस के 14 साल पुराने मामले में आरोपी को सात साल की सजा

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 14 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को सात वर्षों का कठोर कारावास और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

राजस्थान सरकार की ओर से पैरवी हेतु नियुक्त विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर गोविन्द जोशी ने बताया कि 19 जून 2012 को महामंदिर के तत्कालीन थाना प्रभारी भंवरसिंह ने सनसिटी अस्पताल के सामने रुपाणा जैसाना जाटावास, लोहावट निवासी निंबाराम पुत्र रेखाराम जाट से उसकी बनियान के नीचे पॉलीथिन में छुपाकर कर रखा 1.900 किलो अफीम दूध बरामद कर उसको गिरफ्तार किया तथा अनुसंधान के बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

झुंझुनूं बना साइबर ठगों का सॉफ्ट टारगेट

■ 5000 संदिग्ध बैंक खातों का खुलासा, किराए के खातों से 200 करोड़ से ज्यादा का लेन-देन

झुंझुन, (निसं)। कभी शिक्षा और अनुशासन के लिए पहचाना जाने वाला झुंझुनूं जिला इन दिनों साइबर ठगों के निशाने पर है। साइबर अपराधियों ने जिले के युवाओं को आसान कमाई का लालच देकर उनके बैंक खाते किराए पर लेने का नया तरीका अपनाया है। इन्हीं खातों के जरिए करोड़ों रुपए की साइबर ठगी को अंजाम दिया जा रहा है। अब झुंझुनू पुलिस ने साइबर सेल की मदद से इस संगठित साइबर अपराध नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से झुंझुनू पुलिस को करीब 5000 संदिग्ध बैंक खातों की डिटेल प्राप्त हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन खातों का इस्तेमाल देशभर में होने वाली साइबर ठगी के लिए किया गया। इन खातों के माध्यम से 200 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन किया गया है। साइबर ठग जिले के युवाओं को मामूली लालच देकर-उनके बैंक खाते किराए पर लेते हैं। इसके बाद साइबर फ्रॉड से प्राप्त रकम इन्हीं खातों में ट्रांसफर की जाती है।

कई मामलों में खाता धारकों को यह भी नहीं बताया जाता कि उनके खाते का इस्तेमाल किस उद्देश्य से हो रहा है। झुंझुनूं पुलिस को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से जिले के करीब 5000 संदिग्ध बैंक खातों की डिटेल प्राप्त हुई है। इन खातों का इस्तेमाल देशभर में होने वाली साइबर ठगी के लिए किया गया। पुलिस के शुरुआती आकलन के अनुसार, इन खातों के माध्यम से 200 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन किया गया है। राष्ट्रीय पोर्टल से डिटेल मिलने के बाद झुंझुनू पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। बीते एक सप्ताह में 28 खाता धारकों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 7 अन्य खाता धारकों के खिलाफ अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस का मानना है कि यह संख्या आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है।

झुंझुनू पुलिस की साइबर सेल द्वारा किए गए खातों के गहन विश्लेषण में बड़ा खुलासा हुआ है। साइबर ठगी की रकम को मूल खातों से आगे दुबई भेजा जा रहा है, जहां उसे क्रिप्टोकरेंसी-यूएसडीटी और बिटकॉइन में बदलकर उपयोग किया जा रहा है। इतना ही नहीं, इस राशि का उपयोग ऑनलाइन गैंबलिंग ऐप्स और अन्य अवैध डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी किया जा रहा है। झुंझुनू पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से करीब 5000 खातों की जानकारी मिली है, जिनका गहन विश्लेषण किया जा रहा है।

गर्ल्स कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

जिला प्रशासन ने किया मॉकड्रिल

■ मॉक ड्रिल में फायरमैन लिफ्ट, चेयरमैन नॉट, स्ट्रेचर और स्लाइडिंग जैसी तकनीकों से ऊपरी मंजिलों से घायलों को निकालने, प्राथमिक इलाज देने और सुरक्षित जगह पहुंचाने की प्रैक्टिस की गई

श्रीगंगानगर, (निसं)। आत्मवल्लभ जैन गर्ल्स कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली। कॉलेज में हड़कंप मच गया। छात्राएं इधर-उधर भागने लगीं। ई-मेल से धमकी मिलते ही प्रशासन अलर्ट हो गया। एमरजेंसी स्थिति घोषित कर दी गई।

छात्राओं को खुले मैदान में पहुंचाया गया और कॉलेज को सील कर दिया गया। मौके पर पुलिस, फायर ब्रिगेड व सिविल डिफेंस की टीमें पहुंच गईं। बाद में जब पता चला कि यह प्रशासन की मॉकड्रिल है तो छात्राओं ने राहत की सांस ली।

सिविल डिफेंस की टीम ने चीफ वार्डन निर्मल जैन और फायर प्रभारी अनिल शर्मा के नेतृत्व में पूरे कॉलेज की छानबीन की। कक्षाएं, लैब, लाइब्रेरी, ऑफिस, सभागार हर कोने की गहन तलाशी ली गई।

जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। मॉकड्रिल का मकसद आपात स्थिति में तैयारियों का जायजा लेना था।

मॉक ड्रिल में फायरमैन लिफ्ट, चेयरमैन नॉट, स्ट्रेचर और स्लाइडिंग जैसी तकनीकों से ऊपरी मंजिलों से घायलों को निकालने, प्राथमिक इलाज देने और सुरक्षित जगह पहुंचाने की प्रैक्टिस की गई। सिविल डिफेंस के डिप्टी कंट्रोलर नयन गौतम ने बताया- छात्राओं में किसी तरह का डर या अफरा-तफरी नहीं फैलने दी गई। सभी को व्यवस्थित तरीके से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

कॉलेज के डायरेक्टर संजय अरोड़ा ने कहा- छात्राओं की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सिविल डिफेंस, फायर ब्रिगेड, पुलिस और पूरे स्टाफ का सहयोग सराहनीय रहा।

उन्होंने अभिभावकों और छात्राओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की।

कॉलेज प्रशासन ने कहा- भविष्य में ऐसी धमकी या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नियमित मॉक ड्रिल, सुरक्षा प्रशिक्षण और साइबर निगरानी को और मजबूत किया जाएगा। छात्राओं, अभिभावकों और आमजन से अपील की गई है कि शांति बनाए रखें, संयम बरतें और सिर्फ आधिकारिक अपडेट पर विश्वास करें।

महिला से छीने गहने और नकदी वारदात का खुलासा

श्रीगंगानगर, (निसं)। मैरिज पैलेस के सामने से एक बुजुर्ग महिला के हाथ से पर्स छीनने की वारदात का खुलासा हो गया है। सदर पुलिस ने सेतिया फार्म गली नंबर 9 निवासी 25 वर्षीय साहिल तुली पुत्र सतपाल तुली को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी एएसआई निहाल बिश्नोई ने बताया कि यह वारदात 14 अप्रैल को हनुमानगढ़ रोड के एक मैरिज पैलेस के सामने हुई थी। पीडि़ता वरिष्ठ नागरिक रामदेव कॉलोनी निवासी ललिता शर्मा ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था।

पीडिता ने बताया कि वह बारात के सबसे पीछे चल रही थी। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक आए और पर्स छीन कर भाग गए। छीने गए पर्स में 40 ग्राम सोने के गहने तथा 3500 रुपए की नगदी, एक मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड, चैक बुक आदि सामान था। जांच अधिकारी एएसआई बिश्नोई ने बताया कि आरोपी साहिल तुली चोरी और छीनाझपटी से ही अपना जीवन यापन करता है।

कॉज लिस्ट जारी होने से अधिवक्ताओं में भड़का आक्रोश

■ इस मुद्दे पर आगामी रणनीति तय करने के लिए आज दोपहर जोधपुर में वकीलों की एक आपात संयुक्त बैठक में स्वैच्छिक कार्य बहिष्कार के निर्णय लिया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा महीने के दो शनिवार को वर्किंग डे घोषित करने के निर्णय पर जोधपुर मुख्यपीठ में वकीलों और हाईकोर्ट प्रशासन के बीच टकराव बढ़ गया है। शनिवार के लिए कोर्ट प्रशासन द्वारा कॉज लिस्ट जारी करने के बाद वकीलों ने कड़ा विरोध जताया है। इस मुद्दे पर आगामी रणनीति तय करने के लिए आज दोपहर जोधपुर में वकीलों की एक आपात संयुक्त बैठक बुलाई गई। इसमें सर्वसम्मति से शनिवार को स्वैच्छिक कार्य बहिष्कार के निर्णय लिया गया है।

वकीलों के ताजा विवाद का कारण हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा शनिवार के लिए जारी की गई कॉज लिस्ट है। वकीलों का कहना है कि उन्होंने इस निर्णय का पहले भी विरोध किया था, जिसके बाद एक कमेटी गठित की गई थी। आरोप है कि कमेटी के निर्णय या रिपोर्ट को वकीलों के साथ साझा किए बिना प्रशासन ने एकतरफा तरीके से शनिवार को कोर्ट चालू रखने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जोधपुर मुख्यपीठ की दोनों वकील संगठनराजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से अपने सदस्य वकीलों के लिए सूचना जारी की। जिसमें शनिवार को कार्य दिवस घोषित किए जाने के विरोध स्वरूप और आगामी रणनीति तय करने के लिए दोनों एसोसिएशन की कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक आज दोपहर आयोजित होना बताया।

राजस्थान हाईकोर्ट परिसर स्थित एडवोकेट्स चैम्बर्स के तृतीय तल पर एडवोकेट्स एसोसिएशन के सभागार में एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रंजीत जोशी, महासचिव डॉ. विजय चौधरी और लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप सिंह उदावत व महासचिव डॉ. अरुण कुमार झाझड़िया की मौजूदगी में इस मुद्दे पर मंथन किया गया।

फुल कोर्ट का निर्णयः पिछले साल 12 दिसंबर 2025 को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में निर्णय लिया गया था कि पेंडेंसी कम करने के लिए जनवरी 2026 से हर महीने के दो शनिवार को हाईकोर्ट में कामकाज होगा।

वकील इसे व्यावहारिक नहीं मानते हुए विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि शनिवार का दिन वकीलों के लिए केस तैयार करने और अन्य कार्यों के लिए होता है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन, छबड़ा (राज.)

ऑनलाइन निविदा संख्याः 658 (RVU2526GLOB02073)

छबड़ा सुपरक्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की यूनिट संख्या 6 (660 MW) के बॉयलर में प्रेशर पार्ट हेतु Z-पैनल की आपूर्ति हेतु ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://eproc.rajasthan.gov.in** (ई-निविदा हेतु), **www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl** एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/18348 RVUN/PR-4329 अति. मुख्य अभियन्ता (ओ. एण्ड एम.)

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005

Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8( ) RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/1564 Dated :- 21/01/2026

CORRIGENDUM / ADDENDUM

Bid for item:

1. Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld),
2. White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) Reserve for MSE, Rajasthan Only

are invited from interested bidders up to Date: 09-02-2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website **https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org** or **https://eproc.rajasthan.gov.in** or website **http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.**

UBN : MSC2526GLOB00056 Executive Director (EPM)

Raj.Samwad/C/25/18351 Rajasthan Medical Services Corporation

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड बून्दी

क्रमांक/अ.अ./जनस्वा/खबू/2026-26/2379-92 दिनांकः 13.01.2026

NIT NO-39/2025-26

(NIB Code PHE2526A5312)

NOTICE INVITING TENDERS THROUGH E-PROCUREMENT SYSTEM

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न कार्य की निविदायें ऑन लाईन आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in. पर देखी व डाउन लोड की जा सकती है। निर्धारित शुल्क, विस्तृत शर्तों तथा अन्य आवश्यक जानकारी हेतु विस्तृत निविदा www.dipr.rajasthan.gov.in, www.rajwater.gov.in तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है:-

UBN No.	Availability of tender documents on Web Site	Date & time for online submission of Tender.	Date for physically submission of copy of E-Grass Challan of EMD, RISL, TF & Other Document	Date & Time for bid opening
PHE2526WSOB10864	21.01.2026 (10:00 AM) to 30.01.2026 (Upto 6.00 PM.)	21.01.2026 (10:00 AM) to 30.01.2026 (Upto 6.00 PM.)	02.02.2026 at 1.00PM	02.02.2026 at 3.00PM

(हरेन्द्र किराड़) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग

DIPR/C/1059/2026 खण्ड-बून्दी मो.नं.-9887227081

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED

Corporate Identification Number (CIN) - U40109RJ2000SGC016482 (Regd. Office: Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004) Office of The Superintending Engineer (MM) Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004)

SHORT TERM / LONG TERM "E" TENDRING INVITING TENDER NOTICE

"E"- TENDERING ARE INVITED FOR Supply of 33 KV GI PIN TN-2076, 5.0 MVA 33/11 KV POWER T/F TN-2077, LT A.B. CABLE 1x25+25 Sq. MM TN-2078, H/W FOR 11 KV 45 KN B&S TYPE DISC INSULATOR, H/W FOR 11 KV 45 KN T&C TYPE DISC INSULATOR TN-2079, 33 KV PIN INSULATOR TN-2080, 315 KVA 11/0.4 KV DIST. T/F TN-2081, 100 KVA 11/0.4 KV DIST. T/F TN-2082, ISOLATING SWITCHES 33KV/800 A W/O EB, ISOLATING SWITCHES 11KV/400 A W/O EB TN-2083, 16 KVA SINGLE PHASE DIS. TRASFORMER TN-2084, 200/5 LT CT Bar Type, 100/5 LT CT Bar Type TN-2085, 11 KV LINE D/P SET FABRICATED STEEL ITEMS, 11 KV S/S SET FABRICATED STEEL ITEMS TN-2086, LT SHACKLE INSULATORS, LT PIN INSULATOR TN-2087, H/W FOR LT SHACKLE INSULATORS TN-2088, 9 meter long 400 Kg PCC Poles TN-2089, PC 3 PHASE LT DISTRIBUTION BOX (10 WAY) TN-2090, Rate Contract for repair of BGP failed CT PT Set TN-2091, 3 Phase Meter With Box TN-2092, 63 KVA 11/0.4 KV DIST. T/F TN-2093, 11 KV XLPE CABLES 185 SQ MM TN-2094, 11 KV HORN GAP FUSE Set With PI TN-2095, 33 KV S/S SET FABRICATED STEEL ITEMS, 33 KV LINE D/P SET FABRICATED STEEL ITEMS, 33 KV CROSS ARM FABRICATED STEEL ITEMS TN-2096, 100/5 0.5s class CT 15 VA PT 50 VA CT PT Set 33 KV, 50/5 0.5s class CT 15 VA PT 50 VA CT PT Set 33 KV, 30/5 0.5s class CT 15 VA PT 50 VA CT PT Set 33 KV TN-2097, LT PVC ARMOURED CABLE 4C X 16 Sq. MM, LT PVC ARMOURED CABLE 4C X 10 Sq. MM, LT PVC ARMOURED CABLE 4C X 6 Sq. MM TN-2098, Rate Contract for purchase of TC Fuse Wire TN-2099, 3.15 MVA 33/11 KV POWER T/F TN-2100, 25 KVA SINGLE PHASE DIS. TRASFORMER TN-2101, CONTROL CABLE 12Cx2.5 SQMM, CONTROL CABLE 2 Cx2.5 SQMM, CONTROL CABLE 4 Cx2.5 SQMM TN-2102, METER BOXES IRON HT TYPE, METER BOXES IRON MIP TYPE TN-2103, 33 KV CIRCUIT BREAKERS KIOSK O/D TN-2104, SINGLE CORE Unarmoured CABLE 1Cx300 SQ MM, SINGLE CORE Unarmoured CABLE 1Cx185 SQ MM, SINGLE CORE Unarmoured CABLE 1Cx120 SQ MM, SINGLE CORE Unarmoured CABLE 1Cx70 SQ MM TN-2105, 500 KVA 11/0.4 KV DIST. T/F TN-2106, RABBIT ACSR CONDUCTOR TN-2107, 7/10 SWG G.I STAY WIRE, 7/8 SWG G.I STAY WIRE TN-2108, LT PVC ARMOURED CABLE 2 C X 4 SQ MM TN-2109, Rate Contract for purchase of Cable Jointing Kit TN-2110, Rate Contract for repair of BGP failed Power Transformers TN-2111, EMD and date of uploading /opening of tender and G.C.C. etc WILL be available at web site **www.avvnl.com & http://eproc.rajasthan.gov.in.**

Superintending Engineer (MM)

Raj.Samwad/C/25/18363 AVVNL, Ajmer

MBM UNIVERSITY, JODHPUR

(Central Store)

No. : MBMU/OIC/2025-26/1341 Date :- 19/01/2026

NOTICE INVITING BID

Bids are invited from interested eligible and experienced vendors/suppliers for the supply/provision of the following items/services at MBM University, Jodhpur. All other particulars of the bid may be visited on the portal **sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and www.mbm.ac.in.**

1. Bids vide UBN No: MBM2526WSOB00081 Tender No.64/2025-26 for "Tender for Turnkey Execution of Audio-Visual Systems, Lighting, Video Wall, Air Conditioning, Civil, Flooring and Aluminium Partition Works for Auditorium in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹210.00 Lakh. rupees and last date of bid submission 09.02.2026, 12:00 Noon.
2. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00082 Tender No.56/2025-26 for "Supply of Chemical and Glassware for Chemical Department" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹07.25 Lakhs and last date of bid submission 27.01.2026 12:00 Noon.
3. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00084 Tender No.63/2025-26 for "Equipment's for ECE Department" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹32.00 Lakhs and last date of bid submission 30.01.2026 12:00 Noon.
4. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00085 Tender No.65/2025-26 for "Supply of Laptop and Printer for Architecture and Town Planning Department" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹04.00 Lakhs and last date of bid submission 27.01.2026 12:00 Noon.
5. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00083 Tender No.59/2025-26 for "Equipment for Mechanical Workshop for Mechanical Department" in MBM University, Jodhpur (UNDER PM USHA) with estimated amount ₹47.00 Lakhs and last date of bid submission 30.01.2026 12:00 Noon.
6. Bids vide UBN No: MBM2526GSLB00088 Limit Tender No.07/2025-26 for "65-inch Interactive Display" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹01.50 Lakhs and last date of bid submission 27.01.2026 12:00 Noon.
7. Bids vide UBN No: MBM2526SSLB00086 Limit Tender No.08/2025-26 for "Tent service provide for Organizing Nacho MBM 2025-26" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹01.50 Lakhs and last date of bid submission 26.01.2026 12:00 Noon.
8. Bids vide UBN No: MBM2526SSLB00087 Limit Tender No.09/2025-26 for "Sound service provide for Organizing Nacho MBM 2025-26" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹1.30 Lakhs and last date of bid submission 26.01.2026 12:00 Noon.
9. Bids vide UBN No: MBM2526GSLB00089 Limit Tender No.10/2025-26 for "Printing Work provide for Organizing Nacho MBM 2025-26" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹1.30 Lakhs and last date of bid submission 26.01.2026 12:00 Noon.

Raj.Samwad/C/25/18350 OIC-Central Store

कार्यालय नगर निगम अलवर (राजस्थान)

क्रमांकः ई-ऑक्शन/2026/15985 दिनांकः 19.01.2026

ई-ऑक्शन (विज्ञापन ठेके) विज्ञप्ति सं. 01/2025-26

नगर निगम अलवर द्वारा निगम क्षेत्राधिकार में सार्वजनिक स्थलों पर विभिन्न प्रकार के विज्ञापन ठेको की ई-नीलामी ई-ऑक्शन पोर्टल (https://lsgeauction.rajasthan.gov.in) पर निम्नानुसार किया जाना है: -

क्र. सं.	ठेके का नाम	विज्ञापन साईट संख्या	न्यूनतम बोली राशि (एक वर्ष के लिए)	ई-नीलामी अमानत राशि	ई-ऑक्शन पोर्टल पर अमानत व भागीदारी शुल्क जमा कराने की दिनांक व समय	ई-नीलामी बोली की दिनांक
1	DBOM आधार पर नगर निगम क्षेत्र में **यूनीपोल साईट्स सं. 10** पर विज्ञापन प्रदर्श ठेका (समयावधि - 5 वर्ष)	10	45,79,740 रूपये + नियमानुसार जीएसटी	1,50,000/-	21.01.2026 से 31.01.2026 सायं 06:00 तक	21.01.2026 से 31.01.2026 को सुबह 10:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक
2	DBOM आधार पर नगर निगम क्षेत्र में **यूनीपोल साईट्स सं. 8** पर विज्ञापन प्रदर्श ठेका (समयावधि - 5 वर्ष)	8	9,43,759 रूपये + नियमानुसार जीएसटी	50,000/-	21.01.2026 से 31.01.2026 सायं 06:00 तक	21.01.2026 से 31.01.2026 को सुबह 10:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक
	प्रत्येक ठेके हेतु पृथक-पृथक ई-नीलामी भागीदारी शुल्क 2000/-रू देय होगा।					

1. इच्छुक बोली दाता ई-ऑक्शन पोर्टल पर पंजीयन कराकर विज्ञप्ति कार्यक्रम अनुसार ई-नीलामी मे भाग ले सकते है।
2. ई- नीलामी के अंतिम 05 मिनट में कोई बोली लगने पर ई-नीलामी समय अवधि में 15 मिनट की वृद्धि हो जायेगी।
3. ई-नीलामी की शर्तो व विज्ञापन साईटस की सूची का अवलोकन ऑनलाईन या किसी भी कार्यादिवस में नगर निगम के कार्यालय में किया जा सकता है।
4. ई-ऑक्शन कार्यक्रम, शर्तें, अमानत राशि, भागीदारी राशि तथा ई-नीलामी बिजनेस रूल्स आदि की जानकारी ई-नीलामी पार्टल/वेब साईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in तथा https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या अथवा जानकारी हेतु राजस्व शाखा में सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/18388 **आयुक्त**

इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत कर निवेश बढ़ाने पर है पूरा फोकस : शिखर अग्रवाल

रीको चेयरमैन ने रेजिडेंशियल कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप में अधिकारियों को संबोधित किया

जयपुर (कासं)। रीको की ओर से आयोजित दो दिवसीय रेजिडेंशियल कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप का शुक्रवार को समापन हुआ। वर्कशॉप रीको के इकाई कार्यालयों एवं उप-इकाई कार्यालयों के प्रभारियों के लिए आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर से 80 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। वर्कशॉप में अधिकारियों को अपने-अपने औद्योगिक क्षेत्रों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने, उद्यमी-अनुकूल वातावरण तैयार करने तथा राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में रीको अध्यक्ष शिखर अग्रवाल ने अधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि रीको की कार्यप्रणाली में निरंतर नवाचार आवश्यक है।

औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को नीतियों का त्वरित लाभ मिले, अधिकारियों का व्यवहार सहयोगात्मक हो तथा इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो, यही रीको की पहचान बननी चाहिए।

उन्होंने कहा कि रीको औद्योगिक क्षेत्रों में वेस्ट एंड एफ्यूलेंट मैनेजमेंट का समुचित निस्तारण, सीईटीपी की प्रभावी मॉनिटरिंग, विद्युत एवं जल आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था का ध्यान रखा जाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्यों को तेजी से पूरा करने पर भी बल दिया।

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी वर्कशॉप्स का मुख्य उद्देश्य नॉलेज शेयरिंग होता है। अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्र में किए गए नवाचारों, चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा से सभी को सीखने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि रीको के अधिकारियों की कार्यशैली और व्यवहार से ही रीको की छवि बनती है। इस हेतु अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने पर ध्यान देना चाहिए।

वर्कशॉप के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें रीको डिस्पोजल ऑफ लैंड रूल्स 1979 में किए गए संशोधनों, ऑनलाइन मॉड्यूल्स, सिविल एवं पावर वर्क्स में गुणवत्ता नियंत्रण एवं राजस्व एवं नगरीय निकायों से संबंधित भूमि आवंटन प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को फील्ड विजिट भी कराई गई, जिससे व्यावहारिक अनुभव मिल सके।

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने यह भी बताया कि रीको द्वारा विकसित सभी औद्योगिक क्षेत्रों के नाम में एकरूपता व स्पष्टता लाने एवं स्ट्रेटेजिक ब्रांडिंग करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है कि जिन औद्योगिक क्षेत्रों का क्षेत्रफल 50 हेक्टेयर तक है, उन्हें इंडस्ट्रियल ग्रोथ पार्क कहा जाएगा तथा जिन औद्योगिक क्षेत्रों का क्षेत्रफल 50 हेक्टेयर से अधिक है, उन्हें रीको इकोनोमिक एवं इनवेस्टमेंट जोन कहा जाएगा।

रीको अध्यक्ष शिखर अग्रवाल

- कार्यशाला में रीको अधिकारियों को मिला औद्योगिक विकास के नए आयामों का प्रशिक्षण
- 50 हेक्टेयर तक के औद्योगिक क्षेत्रों को इंडस्ट्रियल ग्रोथ पार्क तथा इससे अधिक हेक्टेयर वाले क्षेत्र रीको इकोनोमिक एवं इनवेस्टमेंट जोन कहा जायेगा : शिवांगी स्वर्णकार

प्रेम प्रसंग से नाराज युवती के परिजनों ने किया हंगामा

जयपुर। सदर थाना इलाके में स्थित हसनुपरा इलाके प्रेम प्रसंग को लेकर दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। जिसके बाद युवती के परिजनों ने पूरे मौहल्ले में जमकर उत्पात मचाया। युवती के परिजनों के आवेश को देखते हुए पूरे मौहल्ले में हड़कंप मच गया।

गौरतलब है कि हसनपुरा में आस-पडौस में रहने वाले युवक-युवती के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। प्रेम-प्रसंग के चलते प्रेमी युगल घर छोड़कर भाग गया। इसी बात को लेकर युवती के परिजन नाराज हो गए। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे लड़की पक्ष के दर्जनभर युवक एक साथ इकट्ठा हो गए। लड़के के घर के बाहर लाठी-डंडे लेकर पहुंचकर जमकर हुडदंग मचाना शुरू कर दिया। युवती के परिजनों और उनके समर्थकों युवक के घर पर जमकर पत्थराव किया और घर के बाहर खड़ी तीन-चार कारों के शीशे व बाइक में जमकर तोड़फोड की। इस पथराव में तीन जनों को चोट आई। जिन्हें उपचार के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक उपद्रवी फरार हो गये थे।

एसडीएम के समक्ष लंबित मुकदमें के निस्तारण के लिए वृद्धा को तीन बार आना पडा हाईकोर्ट

अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी को किया तलब

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण अधिनियम को लेकर 70 साल की वृद्धा के परिवाद का अदालत की ओर से मियाद तय करने के बाद भी एसडीएम की ओर से निर्णय नहीं करने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने परिवाद को एसडीएम द्वितीय सांगानेर से एसडीएम प्रथम में ट्रांसफर करते हुए पीठासीन अधिकारी विकास प्रजापत को 12 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश केसर देवी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि मामले में कोर्ट की ओर से दो बार आदेश जारी की लंबित परिवाद को तीस दिन में तय करने को कहा था, लेकिन पीठासीन अधिकारी ने केवल तारीख देने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की। अदालत को उम्मीद नहीं थी कि पीठासीन अधिकारी अदालत के आदेश को इस तरह से लेगें। ऐसा लगता है कि पीठासीन अधिकारी अदालती आदेश की पालना में रुचि नहीं रखते हैं। अदालत ने मंशा जताई की ऐसे अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि न्यायालय के आदेश की पालना समाज में व्यवस्था और न्याय बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

याचिका में अधिवक्ता आशीष पूनिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम के तहत अपने बेटे-बहु के खिलाफ एसडीएम द्वितीय सांगानेर के समक्ष मार्च, 2024 में परिवाद दिया था। जिसकी अंतिम बहस नहीं सुनने पर हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। हाईकोर्ट ने 11 नवंबर, 2024 को एसडीएम को एक माह में परिवाद पर निर्णय करने को कहा था, लेकिन एसडीएम ने इस आदेश की पालना नहीं की। इस पर वापस हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। इस पर हाईकोर्ट ने गत 15 मई को एक बार फिर एसडीएम को एक माह में निर्णय करने करने के साथ ही अधिकारी को चेतावनी भी दी। इसके बावजूद एसडीएम ने फिर भी कार्रवाई नहीं की। याचिका में कहा गया कि अदालत ने पूर्व में आदेश जारी कर एसडीएम से स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन उसके जवाब से अदालत संतुष्ट नहीं हुई। एसडीएम ने हाईकोर्ट को कहा था कि गत 17 नवंबर तक निर्णय किया जाएगा, लेकिन उसके बाद भी छह बार मामले पर सुनवाई टाली गई। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए संबंधित एसडीएम को तलब करते हुए विचाराधीन परिवाद को एसडीएम प्रथम में स्थानांतरित कर दिया है।

सलमान खान के हस्ताक्षरों की नहीं होगी एफ.एस.एल. जांच

राज्य उपभोक्ता आयोग ने लगाई रोक

जयपुर। राज्य उपभोक्ता आयोग ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले में कोटा जिला उपभोक्ता आयोग के गत 26 दिसंबर के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत जिला आयोग ने मामले में पेश जवाब और वकालतनामा सहित अन्य दस्तावेजों पर सलमान खान की ओर से किये हस्ताक्षरों की प्रमाणिकता की जांच एफएसएल से कराने को कहा था। इसके साथ ही आयोग ने मामले में शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करते हुए प्रकरण को सुनवाई के लिए राज्य उपभोक्ता आयोग की कोटा सर्किट बेंच में भेज दिया है। आयोग ने यह आदेश राजश्री पान मसाला की ओर से दायर रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुड़ा मामला

रिवीजन में अधिवक्ता देवेश शर्मा ने आयोग को बताया कि मामले में इन्द्रमोहन सिंह ने कोटा जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश कर सलमान खान पर राजश्री पान का भ्रामक विज्ञापन करने का आरोप लगाया था। जिसमें सलमान खान की ओर से अपना जवाब और वकालतनामा पेश किया था। इसे शिकायतकर्ता ने यह कहते हुए चुनौती दी थी कि दस्तावेजों पर सलमान खान के हस्ताक्षर नहीं है। वहीं दूसरी ओर रिवीजनकर्ता ने परिवाद पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी।

जिला आयोग ने परिवाद पर आपत्तियों की सुनवाई करने के बजाए सलमान खान के हस्ताक्षरों की जांच एफएसएल से कराने के आदेश दे दिए। रिवीजन में कहा गया कि सलमान खान पान मसाला नहीं, इलाइची का विज्ञापन कर रहे हैं। मामले के परिवादी ने समान परिवाद विमल ब्रांड के खिलाफ भी किया था, उसमें इलायची का ही विज्ञापन किया जा रहा था। उस परिवाद को परिवादी ने वापस ले लिया था। इसके अलावा रिवीजन कर्ता ने जिला आयोग में परिवाद पर आपत्ति दर्ज कराई थी। जिसे तय करने के बजाए जिला आयोग ने अनावश्यक रूप से सलमान खान के हस्ताक्षरों की जांच के आदेश दे दिए। रिवीजन में कहा गया कि अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचने के लिए रिवीजन कर्ता और सलमान खान के बीच एक एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत रिवीजन कर्ता जिला आयोग के आदेश से प्रभावित पक्षकार है। इसलिए जिला आयोग के आदेश को निरस्त किया जाए।

गणतंत्र दिवस पर आईपीएस संदीप सिंह चौहान महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क से होंगे सम्मानित

जयपुर। आगामी 77 वें गणतंत्र दिवस के गौरवमयी अवसर पर राजस्थान पुलिस और गृह रक्षा विभाग के एक जांबाज अधिकारी की सेवाओं को विशेष पहचान मिलने जा रही है। पुलिस महानिरीक्षक गृह रक्षा संदीप सिंह चौहान आईपीएस को उनके उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड और विभाग के प्रति अद्वितीय समर्पण के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। संदीप सिंह चौहान को यह सम्मान उनके पदस्थापन के दौरान राजकार्यों को व्यक्तिगत लगन और अद्वितीय समर्पण के साथ संपादित करने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने विभाग के स्वयंसेवकों के नियोजन में वृद्धि करने और गृह रक्षा विभाग के विकास कार्यों को पूर्ण निष्ठा व कर्तव्य-परायणता के साथ आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी इन्हीं विशिष्ट उपलब्धियों के फलस्वरूप विभाग ने उन्हें इस सर्वोच्च सम्मान के लिए चुना है। 77 वें गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के दौरान महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा राजस्थान मालिनी अग्रवाल द्वारा उन्हें इस सम्मान से नवाजा जाएगा। आईपीएस संदीप सिंह चौहान को महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क एवं महानिदेशक प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की जाएगी।

हैड कांस्टेबल गिरफ्तार

जयपुर। बिंदायका थाना पुलिस ने एक नाबालिग छात्रा को परेशान करने के आरोप में हैड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी कांस्टेबल सस्पेंड था और नाबालिग को क्रिकेट में आगे बढ़ाने और अच्छी प्रेक्टिस करवाने की मदद के बहाने आए दिन परेशान कर रहा था। आरोप है कि कांस्टेबल फिजिकल रिलेशन बनाने का दबाव भी बना रहा था।

बहुचर्चित एकल पट्टा प्रकरण में एसीबी को अग्रिम जांच की अनुमति मिली

अदालत ने मामले में पेश तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति वापस लेने के पेश प्रार्थना पत्र को विड्रो करने के लिए राज्य सरकार की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज किया

जयपुर (कासं)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में एसीबी को अग्रिम जांच के आदेश दिए हैं। वहीं अदालत ने मामले में पेश तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति वापस लेने के पेश प्रार्थना पत्र को विड्रो करने के लिए राज्य सरकार की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि साल 2021 में कोर्ट उस प्रार्थना पत्र को खारिज कर चुकी है। ऐसे इसे वापस लेने की जरूरत ही नहीं है।

गौरतलब है कि पूर्ववर्ती सरकार के समय एसीबी ने पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को क्लीन चिट दी थी। वहीं पूर्व आईएएस जीएस संधू सहित अन्य अफसरों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति वापस लेने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। वहीं अब विस्तृत जांच के निर्णय के बाद एसीबी ने ट्रायल कोर्ट से अनुमति मांगी थी। मामले के अनुसार जेडीए ने जून, 2011 में गणपति कंस्ट्रक्शन के मालिक शैलेन्द्र गर्ग के नाम पर एकल पट्टा जारी किया था। साल 2013 में इसकी शिकायत एसीबी में की गई। जिसके कार्रवाई करते हुए एसीबी ने तत्कालीन एसीएस जीएस संधू, उपायुक्त निष्काम दिवाकर, ओंकारमल सैनी और शैलेन्द्र गर्ग सहित अन्य की गिरफ्तारी की थी। वहीं मई, 2013 में एकल पट्टे को निरस्त भी कर दिया गया। वहीं पूर्ववर्ती सरकार के समय एसीबी ने क्लोजर रिपोर्ट पेश की और अफसरों के खिलाफ मुकदमा वापस लेने का प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। वहीं हाईकोर्ट ने जनवरी, 2023 में इन अफसरों को राहत दी। इस आदेश के खिलाफ अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2024 को हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर हाईकोर्ट के सीजे को मामले की सुनवाई करने को कहा था।

दूसरी अवमानना याचिका खारिज, एक लाख का लगाया हर्जाना

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने से जुड़े मामले में दायर दूसरी अवमानना याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि याचिका कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर दायर की गई है। ऐसे में इस पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया जाता है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश नेकीराम व अन्य की अवमानना याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि पूर्व में अवमानना याचिका खारिज हो चुकी है, ऐसे में दूसरी याचिका दायर करना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। मामला झुंझुनूं के चिडावा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों की चारागाह भूमि पर अतिक्रमण से जुडा है। जिसमें कई मामले में हाईकोर्ट की रोक चल रही है।

जनता बनी पुलिस की आंख और कान : राजीव शर्मा

जयपुर (कासं)। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय की कम्यूनिटी पुलिसिंग शाखा ने समाज के विभिन्न वर्गों को पुलिस के साथ जोड़कर एक अभेद्य सुरक्षा चक्र तैयार किया है। वर्तमान में राज्य में सीएलजी मैंबर, पुलिस मित्र, ग्राम रक्षक, स्टूडेंट पुलिस कैडेट और सुरक्षा सखियों के रूप में करीब 2.45 लाख वॉलिंटियर्स पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सिविल राइट्स, मानव अधिकार एवं कम्युनिटी पुलिसिंग) लता मनोज कुमार ने बताया कि राजस्थान पुलिस अधिनियम 2007 के तहत गठित सामुदायिक सम्पर्क समूह (सीएलजी) आज पुलिस और जनता के बीच सकारात्मक संवाद का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। राज्य में जिला, थाना और वार्ड स्तर पर कुल 82065 सीएलजी सदस्य सक्रिय हैं। दिसंबर 2025 तक पुलिस ने इन सदस्यों के साथ 29 हजार 158 बैठकें आयोजित कर स्थानीय समस्याओं का समाधान किया है। ईद की नमाज हो या होली-दिवाली के मेले, ये सदस्य सौहार्द बनाए रखने में पुलिस के मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं।

पुलिस मित्र योजना ने पुलिस के प्रति आमजन का नजरिया बदला है। प्रदेश में 40 हजार 867 पुलिस मित्र अपनी स्वेच्छा से यातायात संचालन, नाकाबंदी और सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुँचाकर उनकी जान बचा रहे हैं। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए 24 हजार 443 ग्राम रक्षकों को सूचीबद्ध किया गया है। ये रक्षक ग्रामीण इलाकों में रात्रि गश्त और सूचना संकलन के जरिए पुलिस के सूचना तंत्र को मजबूत कर रहे हैं।महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्थान पुलिस ने सुरक्षा सखी के रूप में क्रांतिकारी पहल की है। वर्तमान में 21 हजार 953 महिलाएं सुरक्षा सखी के रूप में पुलिस और पीड़ित के बीच सेतु का कार्य कर रही हैं। इसके साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ रोकने के लिए राज्य में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का गठन किया गया है। यह संवेदनशील पहल न केवल अपराधों पर अंकुश लगा रही है। बल्कि समाज में निर्भीक नारी की संकल्पना को साकार कर रही है।

एडीजी लता मनोज कुमार ने बताया कि महिलाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण के तहत दिसंबर 2025 तक रिकॉर्ड 14 लाख 83 हजार 30 महिलाओं व बालिकाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

खंडेलवाल समाज एवं गौमाया ने रचा इतिहास

जयपुर। स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जागरूकता की दिशा में खंडेलवाल समाज एवं गौमाया ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए जीरो ऑयल कुकिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य युवा जागृति संघ एवं गौमाया के संयुक्त तत्वावधान में टोंक रोड, सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला में शुक्रवार को बसंत पंचमी पर आयोजित इस विशेष आयोजन में बिना तेल और घी के स्वादिष्ट व्यंजनों की अनूठी प्रस्तुति दी गई।

गौमाया फाउंडर डॉ. सीताराम गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड एवं लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

संगठन महामंत्री योगेंद्र लाभी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 50 से अधिक प्रकार के व्यंजन तैयार किए गए, जिनमें किसी भी प्रकार के तेल या घी का उपयोग नहीं किया गया। इन व्यंजनों का स्वाद खंडेलवाल समाज के साथ अन्य समाजों के वरिष्ठ बंधुओं ने भी लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खंडेलवाल समाज के बॉलीवुड एक्टर एवं सेलिब्रिटी रोहित खंडेलवाल, दर्शना खंडेलवाल एवं ट्विंकल पाटोदिया उपस्थित रहे। समाज के सहयोगियों में मुकेश ठाकुरिया, संतोष सिंगोदिया, रामेश्वर मामोडिया, सीए घनश्याम खंडेलवाल, विनोद बाजजरगान, विष्णु डगायच, कैलाश चंद माणक बोहरा, सतीश खंडेलवाल, सीए सोनम खंडेलवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे। जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा , पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता एवं भाजपा नेता चंद्र मनोहर बटवाडा ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। वर्ल्ड रिकॉर्ड की प्रक्रिया में राजा मुकीम एवं डॉ. पी. एम. भारद्वाज व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे।

उन्होंने आयोजन को अप्रूव करते हुए अपने हाथों से सर्टिफिकेट प्रदान किए, जबकि गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड एवं लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की घोषणा ऑनलाइन की गई। कार्यक्रम में निवर्तमान उपमहापौर पुनीत कर्णावत, वरिष्ठ समाजसेवी नवीन भंडारी एवं राजीव खंडेलवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

- बिना तेल और घी के 50 से अधिक व्यंजन बनाकर जीरो ऑयल कुकिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

फायरिंग के आरोपी रवि मेहरा के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

गंगापोल में पिछले दिनों फायरिंग की वारदात के बाद प्रशासन ने दिखाई सख्ती

जयपुर (कासं)। सुभाष चौक इलाके के गंगापोल में पिछले दिनों हुई फायरिंग की सनसनीखेज वारदात के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत बड़ी कार्रवाई की है। फायरिंग के मुख्य आरोपी और कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा (25) के अवैध निर्माण को शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस जाब्ते के बीच बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई हवामहल-आमेर जोन के नगर निगम दस्ते द्वारा की गई। निगम प्रशासन ने बताया कि आरोपी ने मेहरा बस्ती स्थित अपने मकान के आगे सड़क सीमा में करीब सात फीट तक अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर रखा था। पूर्व में नोटिस जारी कर निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। परंतु पालन नहीं होने पर राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि रवि मेहरा सुभाष चौक थाने का हिस्ट्रीशीटर है और हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा है। 19 जनवरी की सुबह गंगापोल इलाके में रवि मेहरा अपने एक साथी के साथ बाइक पर आया था। उसने पडोसी युवक पर फायरिंग की थी। गोली युवक के चचेरे भाई को निशाना बनाकर चलाई गई थी। लेकिन निशाना चूकने पर गोली बबलू महावर (30) के पैर में लग गई। इसके बाद से आरोपी फरार है। आरोपित रवि मेहरा के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उस पर ब्रह्मपुरी थाने में 15 और सुभाष चौक थाने में 11 मुकदमे दर्ज हैं।

फायरिंग की घटना के बाद से पुलिस टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे नगर निगम की टीम बुलडोजर और मशीनों के साथ गंगापोल पहुंची। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की मौजूदगी में अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

नगर निगम की हवामहल-आमेर जोन की टीम ने शुक्रवार को हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा के अवैध निर्माण को ध्वस्त किया।

- नगर निगम ने पूर्व में दिया था अवैध निर्माण हटाने का नोटिस, शुक्रवार को कार्रवाई की

'पडौसी की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर महिला ने की खुदकुशी'

जयपुर (कासं)। सांगानेर इलाके में एक महिला ने पडौसी की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर रस्सी के फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। काफी देर तक जब महिला अपने कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर धक्का देकर गेट खोला तो महिला रस्सी के फंदे से झूलती मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार अपने कब्जे में लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। पुलिस ने परिजनों के बयानों के आधार पर पडौसी युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरु की।

एएसआई नरेश कुमार ने बताया की सांगानेर की रहने वाली सुमन चौधरी (37) तरुछाया नगर निवासी ने वर्षीय पड़ोसी की ब्लेकमेलिंग से परेशान होकर रस्सी के फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

भ्रष्टाचार के अड्डे में तब्दील हुआ टी.बी. हॉस्पिटल : खंडेलवाल

जयपुर । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने टीबी हॉस्पिटल शास्त्री नगर, जयपुर में तैनात असिस्टेंट अकाउंट अफ़सर विनोद गुप्ता के खिलाफ लगाए गए गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों पर अब प्रशासनिक स्तर पर संज्ञान लिए जाने को बड़ा घटनाक्रम बताया है। गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि उनके द्वारा की गई शिकायत के बाद सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पताल प्रशासन ने विधिवत जांच समिति गठित कर नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें साक्ष्य सहित उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है। यह स्वयं इस बात का प्रमाण है कि लगाए गए आरोप मनगढ़ंत नहीं बल्कि गंभीर और तथ्यात्मक है। खंडेलवाल ने स्पष्ट किया कि विनोद गुप्ता द्वारा खुलेआम रिश्वत की मांग,महीनों तक बिल रोककर रखना, बिल क्लियर होने के बाद भी जानबूझकर भुगतान अटकाना और बिल पास कराने के नाम पर लगातार पैसों की डिमांड एक संगठित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तर से पंचायत स्तर तक होंगे कार्यक्रम

अजमेर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में द्वितीय चरण के अंतर्गत 19 से 26 जनवरी तक विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिला, उपखण्ड एवं पंचायत स्तर पर किया जाएगा, जिसके लिए प्रशासन द्वारा नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। जिला कलेक्टर लोक बन्धु ने बताया कि इस आयोजन के सफल क्रियान्वयन एवं समन्वय के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर वन्दना खोरवाल को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके सहयोग के लिए जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवदान सिंह, नगर निगम की उपायुक्त कीर्ति कुमावत तथा पर्यटन विभाग के उप निदेशक को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

वंदे मातरम्-150 के तहत विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं जनजागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व, राष्ट्रीय चेतना एवं देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। प्रशासन द्वारा सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आयोजित करें तथा अधिकाधिक जन सहभागिता सुनिश्चित करें। जिला प्रशासन ने अपेक्षा जताई है कि वंदे मातरम्-150 के आयोजन से नागरिकों में राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अनूप कुवेरा पुत्र श्री आर. डी. कुवेरा की ग्राम नौसर के खसरा नंबर 394 मिन 562 (पुराना) एवं 510 (नया) भूखंड संख्या 2 में क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज के भूखंड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन की कार्यवाही कर दी जाएगी। -उपायुक्त (उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अनूप कुवेरा पुत्र श्री आर. डी. कुवेरा की ग्राम नौसर के खसरा नंबर 394 मिन 562 (पुराना) एवं 510 (नया) भूखंड संख्या 1 में क्षेत्रफल 136.10 वर्गगज के भूखंड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन की कार्यवाही कर दी जाएगी। -उपायुक्त (उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

वरूण सागर पर परखी आपदा से निपटने की तैयारी

अजमेर। आपदा प्रबंधन के प्रति प्रशासनिक एवं बचाव एजेंसियों की तत्परता को परखने के उद्देश्य से शुक्रवार को अजमेर के वरूण सागर पर राष्ट्रीय स्तर की संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास एनडीआरएफ की एनुअल मोबिलाइजेशन एक्सरसाइज के अंतर्गत कोऑर्डिनेशन एंड पार्टिसिपेशन ऑफ स्टेकहोल्डर्स थीम पर आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों और एजेंसियों ने सहभागिता निभाई।

मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ के साथ नागरिक सुरक्षा, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग, चिकित्सा विभाग, पुलिस तथा आपदा मित्रों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य वास्तविक आपदा की स्थिति में सभी संबंधित एजेंसियों की प्रतिक्रिया समय, समन्वय क्षमता और कार्यकुशलता का मूल्यांकन करना रहा।

जिला ईओसी कंट्रोल रूम को प्रातः 8.40 बजे वरूण सागर क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा के कारण जलभराव एवं नागरिकों के फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही चेतावनी संदेश प्रसारित किया गया तथा सभी एजेंसियों को अलर्ट किया गया। प्रत्येक टीम के अपने कार्यस्थल से घटनास्थल तक पहुंचने के समय को नोट किया गया। परिदृश्य के अनुसार वरूण सागर में जलस्तर बढ़ने से कुछ नागरिकों के फंसने की सूचना पर एनडीआरएफ, नागरिक सुरक्षा एवं एसडीआरएफ ने संयुक्त बचाव अभियान प्रारंभ किया। प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में नागरिक सुरक्षा दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर एक डूबते व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला।

इसके पश्चात एसडीआरएफ टीम ने नाव के माध्यम से गहरे पानी में तीन अलग-अलग स्थानों पर फंसे व्यक्तियों को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। अधिक दूरी एवं गहराई में फंसे व्यक्तियों को एनडीआरएफ की टीमों ने अपनी दो नावों तथा उन्नत बचाव उपकरणों की सहायता से सुरक्षित निकाला। बचाव के पश्चात सभी हताहतों को चिकित्सा टीम द्वारा प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान पास स्थित एक क्षतिग्रस्त भवन से फंसे व्यक्तियों को बाहर निकालने का भी प्रदर्शन किया गया। एनडीआरएफ टीम ने कटर सहित अन्य उपकरणों का प्रयोग कर सुरक्षित रेस्क्यू का अभ्यास किया।

अंत में सभी दलों द्वारा उपखण्ड अधिकारी गरिमा नरूला को बचाव कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समीक्षा के उपरान्त ऑपरेशन पूर्ण होने की घोषणा की गई। मौके पर तहसीलदार ओम सिंह लखावत एवं नायब तहसीलदार दीपा यादव भी उपस्थित रहे।

लायन आभा गांधी को मिला नेताजी सुभाषचंद्र बोस नेशनल अवॉर्ड

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल प्रांत 3233 ई-2 की महिला सशक्तिकरण प्रांतीय सभापति लायन आभा गांधी को लक्ष्य मानवता सेवा संस्थान द्वारा नेताजी सुभाषचंद्र बोस नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के अवसर पर सूचना केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त दीप्ति शर्मा ने आभा गांधी को माला व ओढ़ना पहनाकर मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि आभा गांधी द्वारा गर्भस्थ शिशु संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान तथा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2026/6097 **लोक सूचना** दिनांक: 21/01/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम पराशिया के खसरा 564/34 का भूखण्ड संख्या का कुल वर्गमीटर 186.00 आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री अखिल सारड पुत्र श्री सम्पत कुमार सारड़ा निवासी लक्ष्मी नारायण विहार कॉलोनी अजमेर रोड मदनगंज किशनगढ़	पराशिया खसरा 564/34 186.00 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

-आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2026/6106 **आम सूचना** दिनांक: 21/01/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम किशनगढ़-बी के खसरा 214 का भूखण्ड संख्या 1-ए का कुल क्षेत्रफल 143.08 वर्गगज आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	1.श्री कुलदीप सिंह भाटी पुत्र श्री सूजान मल भाटी 2.श्री प्रदीप कुमार भाटी पुत्र श्री सूजान मल भाटी निवासी सराना मगरा जिला अजमेर	किशनगढ़-बी खसरा 214 143.08 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

-आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2026/6103 **लोक सूचना** दिनांक: 21/01/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम पराशिया के खसरा 570/34 का भूखण्ड संख्या का कुल वर्गमीटर 368.00 आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री अखिल सारड पुत्र श्री सम्पत कुमार सारड़ा निवासी लक्ष्मी नारायण विहार कॉलोनी अजमेर रोड मदनगंज किशनगढ़	पराशिया खसरा 570/34 368.00 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

-आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

नसीराबाद में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन

नसीराबाद। छावनी परिषद नसीराबाद द्वारा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 1, 5 एवं 6 में पूर्ण किए गए सी.सी. रोड, पुलिया एवं नाला निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का लोकार्पण किया गया। इन विकास कार्यों को विधिवत उद्घाटन कर आमजन को समर्पित किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ अपराह्न 3:30 बजे वार्ड क्रमांक 1 में गांधी चौक के पास हुआ। यहां 4.07 लाख की लागत से निर्मित सी.सी. सड़क तथा 13.49 लाख की लागत से किए गए पुलिया सुधार कार्य का उद्घाटन मुख्य अधिशासी अधिकारी, छावनी परिषद नसीराबाद द्वारा फीता काटकर किया गया।

इसके बाद अपराह्न 4:00 बजे कार्यक्रम वार्ड क्रमांक 5 में पहुंचा, जहां मलक्रा गैस एजेंसी के सामने स्थित नाल मोहल्ला एवं घोसी मोहल्ला क्षेत्र में 18.26 लाख की लागत से किए गए सी.सी. रोड निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का लोकार्पण किया गया। इन कार्यों से क्षेत्रवासियों को आवागमन के साथ-साथ जल निकासी व्यवस्था में भी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में अपराह्न 4:30 बजे वार्ड क्रमांक 6 के ठाकुरसी मंडी चौक पर 6.10 लाख की लागत से पूर्ण किए गए सी.सी. रोड निर्माण/मरम्मत कार्य का उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन अवसर पर छावनी परिषद नसीराबाद के मनोनीत सदस्य सुशील कुमार गदिया, मंडल अध्यक्ष महेश मेहरा, भाजपा कार्यकर्ता काली भवानी, महेंद्र पथरिया, शानू शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने परिषद द्वारा कराए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा।

प्राण प्रतिष्ठा व कलश यात्रा निकाली

मसूदा। देवा जी खेड़ा दौलतपुरा सेकंड में सरस्वती माता मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं कलश यात्रा यज्ञ का भव्य आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया समस्त ठाम ठामवासी आयोजित करता अजय रावत गणपत सिंह मोहन सिंह आकाश सिंह समस्त सुजावत परिवार द्वारा दौलतपुरा द्वितीय राजकीय विद्यालय में शुक्रवार को सरस्वती माँ के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित हो माँ का आशीर्वाद लिया साथ ही राजकीय विद्यालय में आवश्यकतों के बारे में जानकारी ले उनके समाधान की दिशा में जल्द कार्य प्रारंभ करवाने को आश्वस्त किया।दौलतपुरा द्वितीय राजकीय विद्यालय में शुक्रवार को सरस्वती माँ के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित हो माँ का आशीर्वाद लिया साथ ही राजकीय विद्यालय में आवश्यकतों के बारे में जानकारी ले उनके समाधान की दिशा में जल्द कार्य प्रारंभ करवाने को आश्वस्त किया।

आम सूचना

यह की मेरे पक्षकार रामकरण पुत्र स्व. श्री मांगीलाल जाति गुर्जर उम्र 61 वर्ष निवासी ग्राम बिडकचियावास तहसील पीसांगन जिला अजमेर में एक कृषि भूमि जो राजस्व ग्राम माकडवाली तहसील जिला अजमेर में स्थित है जिसकी खाता संख्या 1020 व पुराना 1020 खसरा नं. 1097 कुल रकबा 0.2800 हेक्टर जिसमें मेरे पक्षकार हिस्सेदार है। उक्त कृषि भूमि की मैने मुख्त्यारनामा आम की दिनांक 10.11.2025 को दी है। श्री आकश गुर्जर पुत्र श्री बीरम जाति गुर्जर निवासी ग्राम माकड़वाली तहसील अजमेर जिला अजमेर जिसके आधार पर आकाश पुत्र श्री बीरम ने उक्त खसरा नम्बर के हिस्से की विक्रय पत्र भी दिनांक 30.12.2025 को अपने नाम कर ली है जिसका नामान्तरण भी आकाश गुर्जर के नाम हो गया है। जो कि सही व सत्य है। इसके अलावा इसके पूर्व मेरे पक्षकार ने उक्त खसरा नम्बर की मुख्त्यारनामा आम व इकरारनामा व अन्य कोई भी दस्तावेज उक्त कृषि भूमि से संबंधित निष्पादित नहीं किये हैं। अन्य कोई भी व्यक्ति यदि उक्त दस्तावेज बनाकर लाता है तो उनको शून्य माना जावे।

-पक्षकार जरिये अधिवक्ता

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/69क/2025-26/270 **आपत्ति सूचना** दिनांक-23.01.26

1. श्री कमल खटवानी पुत्र श्री हीरा लाल खटवानी 2. श्रीमती दीपाली खटवानी पत्नि श्री कमल खटवानी निवासी संत कंवर राम कॉलोनी थोक तेलियान अजमेर प्रस्तावित स्थल विकास कॉलोनी फॉयसागर रोड अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 205.92 वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व- हीरा नन्द की सम्पति | उत्तर - अन्य सम्पति
पश्चिम- 40 फीट चौड़ी रोड | दक्षिण - 15 फीट चौड़ी रोड

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। - उपायुक्त,नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/क.ब./2025-26/395 **आपत्ति सूचना** दिनांक-23.01.26

श्री कमल सेन पुत्र श्री नारायण दास, निवासी-बागु पोल्ट्री फार्म, बड़ी नागफनी अजमेर द्वारा प्रस्तावित स्थल बागु पोल्ट्री फार्म बड़ी नागफनी अजमेर में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 131.49 वर्गगज/वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर मे कच्ची बस्ती/राजकीय भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित स्थल की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व- आम रास्ता | उत्तर - इंदर का मकान
पश्चिम- रज्जाक का मकान | दक्षिण - इब्राहिम का मकान

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। - उपायुक्त/प्रभारी अधिकारी,नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/69क/2025-26/266 **आपत्ति सूचना** दिनांक-23.01.26

श्री बृजेन्द्र सिंह भाटी पुत्र श्री भंवर सिंह भाटी निवासी मंगलम कैफे के पीछे वैशाली नगर अजमेर प्रस्तावित स्थल चौरसियावास रोड वैशाली थोक तेलियान अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 200.66 वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व- 12 फीट चौड़ा रास्ता | उत्तर - गोपाल सिंह की सम्पति
पश्चिम- अन्य सम्पति | दक्षिण - अन्य की सम्पति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। - प्रभारी अधिकारी 69-ए,नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/69क/2025-26/278 **आपत्ति सूचना** दिनांक-23.01.26

श्री गिरधर खण्डेलवाल पुत्र श्री कृष्ण गोपाल निवासी गुलाब बाड़ी अजमेर प्रस्तावित स्थल कायस्थ मौहल्ला अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 41.47 वर्गमीटर का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व- अन्य सम्पति | उत्तर - अन्य सम्पति
पश्चिम- गली | दक्षिण - गली

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। - उपायुक्त ,नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/69क/2025-26/267 **आपत्ति सूचना** दिनांक-23.01.26

श्री कृष्ण गोपाल खण्डेलवाल पुत्र श्री कल्याणमल खण्डेलवाल श्रीमती लीला खण्डेलवाल पत्नि श्री कृष्ण गोपाल खण्डेलवाल निवासी पुरानी मण्डी अजमेर प्रस्तावित स्थल कायस्थ मौहल्ला अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 17.63 वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व- रोड | उत्तर - देवी नारायण की सम्पति
पश्चिम- अन्य सम्पति | दक्षिण - अन्य सम्पति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। - प्रभारी अधिकारी 69-ए,नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/69क/2025-26/280 **आपत्ति सूचना** दिनांक-23.01.26

श्री बृजेन्द्र सिंह भाटी पुत्र श्री भंवर सिंह भाटी निवासी मंगलम कैफे के पीछे वैशाली नगर अजमेर प्रस्तावित स्थल थोक तेलियान रातिडांग अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 405.00 वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व- छीतर का मकान | उत्तर - भगवित की सम्पति
पश्चिम- सुनिता गोयल की सम्पति | दक्षिण - 40 फीट चौड़ी रोड

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। - प्रभारी अधिकारी 69-ए,नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2026/6109 **लोक सूचना** दिनांक: 21/01/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम सावंतसर के खसरा 284/14 का भूखण्ड संख्या का वर्गमीटर 809.00 आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री अखिल सारड पुत्र श्री सम्पत कुमार सारड़ा निवासी लक्ष्मी नारायण विहार कॉलोनी अजमेर रोड मदनगंज किशनगढ़	सावंतसर खसरा 284/14 809.00 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

-आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

हिंदू सम्मेलन को लेकर बैठक

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। बाबा अमरनाथ बस्ती में आगामी 8 फरवरी को प्रस्तावित हिन्दू सम्मेलन को लेकर आयोजित बैठक में आयोजन समिति गठित की गई।समिति अध्यक्ष रविन्द्र सिंह चारण ने बताया कि सम्मेलन अनुशासन और सामाजिक एकता के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित होंगी।

साथ ही आयोजन समिति में अध्यक्ष रविन्द्र सिंह चारण, संरक्षक संतोष बैंगानी, उपाध्यक्ष गोपाल प्रजापति, कैलाश साहू, सुवालाल जांगिड़, गजानन्द साहू, संयोजक अमित गोस्वामी, मनीष हिंगोनिया, कोषाध्यक्ष राजदीपक साहू, प्रचार प्रमुख के पद पर देवेन्द्र प्रजापति शामिल किया है। इस दौरान शंकर शर्मा, मुकेश शर्मा भागचंद शर्मा, सीमा साहू, ममता कंवर, सीता, पुष्पा प्रजापति, मंजू प्रजापति मौजूद रही।

विश्वकर्मा जयंती पर हर्षोल्लास के साथ शोभायात्रा निकाली

बिजयनगर। जांगिड़ समाज के आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर जांगिड़ समाज सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से निकाली गई। पुराने बस स्टैंड स्थित विश्वकर्मा मंदिर से बैण्ड बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा भगवान विश्वकर्मा से शुरू होकर जामोला फेक्ट्री गली, सथाना बाजार, बापू बाजार, सब्जी मंडी, पीपली चौराहा होती हुई, जांगिड़ धर्मशाला पहुंची। शोभायात्रा में समाज बंधु भगवान विश्वकर्मा के जयकारों के साथ नाचते गाते हुए शामिल हुए। इससे पूर्व संध्या पर जांगिड़ धर्मशाला में आयोजित भजन संध्या में क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र संह कानावत ने जांगिड़ समाज द्वारा किये जा रहे सामाजिक सरोकारों से जुड़े सेवा कार्यों की प्रशंसा की। विश्वकर्मा मंदिर के सामने नवनिर्मित उद्यान का नाम विश्वकर्मा उद्यान रखने की मांग पर क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने आश्वासनदिया कि शीघ्र ही बोर्ड प्रस्ताव लेकर विश्वकर्मा उद्यान नाम अधिकारिक तौर पर किया जाएगा। इस दौरान तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित मोदी, भाजपा नेता आशीष सांड, समाजसेवी रामराज जांगिड, पार्षद खेमराज गुर्जर, विष्णु जांगिड़ सहित जनप्रतिनिधि का समाज बंधुओं ने स्वागत किया। शहर में निकली शोभायात्रा में जांगिड़समाज सेवा समिति के अध्यक्ष रामलाल कुलरिया, धर्मवीर जांगिड़, जगदीश जांगिड़ , कन्हैयालाल जांगिड़, अनिल जांगिड़,पिंकू जांगिड़ शिवराज जांगिड़, प्रेमचंद जांगिड़, गंजांनद जांगिड़, रामपाल आसलिया, ऋषि जांगिड़, ओमप्रकाश जांगिड़, धीरज जांगिड़ सहित समाज की महिला एव युवा बुजुर्गों ने हिस्सा लिया।

जन्मतिथि और नाम परिवर्तन

मैं Sandhya माता Somnath Nandi निवासी गांव नसीपुरा पोस्ट दैनहाट तहसील कटवा जिला बर्धमान राज्य पश्चिमी बंगाल है। यह की मेरा नाम मेरे पुत्र के सर्विस रिकॉर्ड में Sandhya और जन्मदिनांक 21/07/1953 दर्ज है जो कि गलत है। जबकि भविष्य में मुझे मेरे सही नाम Sandhya Nandi or जन्मदिनांक 01/01/1953 से जाना जाए।

नोटिस वास्ते जाहिर करने वजह

(Civil Procedure Code Appendix H, Form No. 4)

न्यायालय श्रीमान किराया अधिकरण स्थान अजमेर

अन्जुमन मोईनिया बनाम जगप्रीत

मुकदमा 161/2025 सन 202

बाबत

विरूद्ध जगप्रीत सिंह सुपुत्र नरेन्द्र सिंह जाति हिन्दु स्थान मालिक सरताज होटल सिनेमा रोड, कवण्डसपुरा अजमेर क्योंकि प्रार्थी ने इसने अदालत में दरख्वास्त पेश की है कि लिहाजा आपको इतला दी जाती है कि तारीख 05 माह 02 2026 व रोज को 10:00 AM बजे दिन के अदालत हाजा में असालतन या वकालतन हाजिर होकर खिलाफत जाहिर करो वरना दरख्वास्त मजकूर इकतरफा सुनी व फैसल की जायेगी।

बसब्त मेरे दस्तखत मुहर अदालत आज व तारीख 19 माह 01 2026 जारी किया गया।

-पीठासीन अधिकारी
किराया अधिकरण, अजमेर

SARAN HOSPITAL
(A Multispecialty Hospital)
160 Haribhau Upadhyay Nagar Ext., Pushkar Road, Ajmer
Ph: 0145-2640959, Mob. 8875666689, Email: hospitalsaran@gmail.com

NOTICE

Patient Records Registered / Admitted form 11th May 2016 to 31st December 2020 will be destroyed on or after 01st March 2026. Any patients or next of kin requiring such records may claim the same by 25th Feb. 2026 after which no such records shall be available.

Medical Superintendent

सूचना

मरीजों के दस्तावेज़ जो कि 11 मई 2016 से 31 दिसंबर 2020 की अवधि के मध्य अस्पताल मे पंजीकृत / भर्ती हुए है, दिनांक 01 मार्च 2026 को नष्ट कर दिए जाएंगे। जो भी मरीज या उनके रिश्तेदार ऐसे रिकॉर्ड चाहते हैं, वे 25 फरवरी 2026 तक अस्पताल मे आकर संपर्क कर सकते हैं, जिसके बाद ऐसे कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होंगे।

चिकित्सा अधीक्षक

कार्यालय नगरपालिका मण्डल नावां शहर जिला डीडवाना कुचामन (राजस्थान)

टेलीफैक्स : 01586 -263157 ई-मेल - npnawa@gmail.com

क्रमांक - न.पा. नावां /2025-26 / **लोक सूचना** दिनांक :

इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वाचन के लिये आवेदन प्रस्तुत किया है । अर्थात

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल	प्रयोजन
01	1. श्री श्रीकिशन पुत्र कालूराम जाति मेघवाल निवासी नावां 2. श्री हजारी पुत्र कालूराम जाति मेघवाल निवासी नावां	जिला डीडवाना कुचामन तहसील नावां	नावां	खसरा नं. 2548 / 750	रकबा 1.3946 हैक्टेयर में से 0.3236 हैक्टेयर, अर्थात् 3236 वर्गमीटर	नमक प्लांट प्रयोजनार्थ

इसलिए इसके द्वारा सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा - 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा । उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं हे और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा । यह सूचना मेरे हस्ताक्षर एवं पालिका मुद्रा से आज दिनांक 21-01-2026 को जारी की गई है ।

प्राधिकृत अधिकारी (अधिशाषी अधिकारी)
नगरपालिका मण्डल नावां ।

हिन्दू सम्मेलन के प्रचार में जुटा सर्व हिन्दू समाज, प्रभात फेरियों से माहौल उत्सवमय

■ जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा, अनुमानित व्यय एवं वित्त संग्रहण पर विस्तृत चर्चा की गई

नसीराबाद। सर्व हिन्दू समाज द्वारा आयोजित किए जाने वाले विराट हिन्दू सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। सम्मेलन को लेकर अठावाल धर्मशाला में संरक्षक मंडल एवं कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा, अनुमानित व्यय एवं वित्त संठाहण पर विस्तृत चर्चा की गई।

इसके साथ ही जनसंपर्क अभियान के तहत बस्ती क्रमांक 3 में बैठक आयोजित कर क्षेत्रवासियों को सम्मेलन के सामाजिक व सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया गया। माताओं-बहनों को विशेष रूप से कलश यात्रा में सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। सम्मेलन के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न बस्तियों में प्रभात फेरियां निकाली जा रही हैं, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं महिलाएं उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी दिनों में बैठकों एवं जनसंपर्क का क्रम जारी रहेगा।

बैठकों में समिति अध्यक्ष मांगीलाल यादव, संयोजक सुरेश सांखला, एडवोकेट संदीप अठावाल, गोविंद नारायण जिंदल, संजय राठी, चंद्रप्रकाश बंसल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन हिन्दू समाज की एकता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करेगा।

'सुभाष चंद्र ने पदों का त्याग किया, सिद्धांतों से समझौता नहीं किया'

■ नेताजी के विचार आज भी राष्ट्रनिर्माण का पथ प्रशस्त करते हैं : कुलपति प्रो. आनंद भालेराव

अजमेर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का यह विचार कि 'बंदूक से पहले विचारों का सशक्त होना आवश्यक है', आज भी राष्ट्रनिर्माण के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। राष्ट्र का निर्माण हथियारों से नहीं, बल्कि शिक्षित, चरित्रवान और अनुशासित नागरिकों से होता है। यह विचार राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति द्वारा नेताजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि नेताजी ने जीवन में अनेक प्रतिष्ठित पदों का त्याग किया, किंतु कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उनका मानना था कि जो नेतृत्व संघर्ष से डरता है और केवल समझौते करता है, वह नेतृत्व नहीं बल्कि प्रबंधन होता है।

कुलपति प्रो. भालेराव ने कहा कि नेताजी का यह भी विश्वास था कि स्वतंत्र भारत भावनाओं से नहीं, बल्कि सक्षम और सुदृढ़ संस्थानों से संचालित होगा। आज राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, नई शिक्षा नीति तथा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग प्रणाली जैसे प्रयास नेताजी के उसी दूरदर्शी दृष्टिकोण की आधुनिक अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन त्याग, साहस और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उनका यह कथन कि 'यदि मैं जीवित रहा तो भारत स्वतंत्र होगा और यदि शहीद हुआ तो भी भारत स्वतंत्र होगा', उनके राष्ट्रसमर्पण को दर्शाता है। आज के संदर्भ में नेताजी का संदेश संकल्प, प्रतिबद्धता और विकसित भारत के निर्माण से जुड़ा हुआ है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में महापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य उनके जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेना है। उन्होंने आ ान किया कि हम ज्ञान को राष्ट्रसेवा से जोड़ें, सुविधा के स्थान पर कर्तव्य को प्राथमिकता दें और नेताजी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने नेताजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उप कुलसचिव मनीष भोमिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी अनुराधा मित्तल ने किया। इससे पूर्व बसंत पंचमी के अवसर पर कुलपति द्वारा माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। साथ ही कुलपति प्रो. आनंद भालेराव के कार्यकाल के चार वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय परिवार द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत अरांई पंचायत समिति अरांई (जिला-अजमेर)

क्रमांक: ग्रा.प.अ./2025-26/362 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक: 21.01.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अरांई में आबादी भूमि के आवासीय भूखण्डों के पट्टे हेतु निम्नानुसार आवेदन कार्यालय ग्राम पंचायत अरांई में प्राप्त हुए है जिनके नियम 157, 167 अनुसार पट्टे ग्राम पंचायत द्वारा जारी किये जाने है। ग्राम पंचायत की पाक्षिक बैठक दिनांक 20.01.2026 के प्रस्ताव अनुसार 01 माह का आपत्ति नोटिस जारी किये जाने का निर्णय लिया गया है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था/फर्म को आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय दस्तावेजों के कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करावे। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जायेगी। सूची निम्नानुसार है-

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पिता/पति का नाम	जाति	विशेष विवरण
1	सूरज कंवर	दिनेश सिंह	राजपुरोहित	मिसलानुसार
2	मनोज भण्डिया	निर्मल कुमार भण्डिया	शर्मा/ब्राह्मण	मिसलानुसार
3	शम्भू देवी	शिवराज	जाट	मिसलानुसार
4	कमल	शिवराज	जाट	मिसलानुसार
5	जगदीश	काना	जाट	मिसलानुसार
6	रेखा देवी	दयाशंकर पारीक	ब्राह्मण	मिसलानुसार
7	शिवलाल माली	हरकरण माली	माली	मिसलानुसार
8	श्यामलाल	कानाराम	माली	मिसलानुसार
9	मनफूल	रामधन	जाट	मिसलानुसार
10	दिनेश मेघवंशी	रामाकिशन	बलाई/वर्मा	मिसलानुसार
11	प्रेम	रामाकिशन	बलाई/वर्मा	मिसलानुसार
12	नरेन्द्र	छितर जाट	जाट	मिसलानुसार
13	घमला	छितर जाट	जाट	मिसलानुसार
14	कमल	शिवराज	जाट	मिसलानुसार
15	शम्भू देवी	शिवराज	जाट	मिसलानुसार
16	नेराज	जगदीश	जाट	मिसलानुसार
17	मन्जू देवी	गजानन्द रैगर	रैगर	मिसलानुसार
18	महेश शर्मा	छितरमल शर्मा	शर्मा/ब्राह्मण	मिसलानुसार
19	सीता देवी	भैरू लाल गुर्जर	गुर्जर	मिसलानुसार
20	मन्जू	गजानन्द	रैगर	मिसलानुसार
21	तेजमल	कल्याणमल	रैगर	मिसलानुसार
22	देवीलाल	पूरण	रैगर	मिसलानुसार
23	रमेश गुर्जर	रामदयाल गुर्जर	गुर्जर	मिसलानुसार
24	कमला	रमेश गुर्जर	गुर्जर	मिसलानुसार
25	कल्याणमल जांगिड	नन्दलाल जांगिड	खाती	मिसलानुसार
26	रोडी देवी	कल्याणमल जांगिड	खाती	मिसलानुसार
27	विमला	रामप्रसाद साहू	तेली	मिसलानुसार
28	भैरू	नाथू माली	माली	मिसलानुसार

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत अरांई,
पं.स.अरांई, जिला अजमेर

प्रशासक
ग्राम पंचायत अरांई
पं.स.अरांई, जिला अजमेर

मुझे लगता है कि टेनिस के खेल को बढ़ावा देने के लिए मैं बहुत कुछ कर सकता हूं। इसलिए, मैं टेनिस और अन्य खेलों के माध्यम से पूरे देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। - लिएंडर पेस

पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी, टेनिस अकादमी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्टेन वावरिंका

मेलबर्न पार्क में खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में 40 वर्षीय स्टेन वावरिंका ने अपने से लगभग आधी उम्र के फ्रांसीसी खिलाड़ी आर्थर जिया के खिलाफ पांच सेटों तक चले संघर्ष में जीत दर्ज की। यह मुकाबला चार घंटे 33 मिनट तक चला और वावरिंका ने 4-6, 6-3, 3-6, 7-5, 7-6 (10-3) से जीत हासिल की है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह मुकाबला शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ रहा। गौरतलब है कि मैच के दौरान कई ऐसे पल आए, जब लगा कि उम्र और थकान स्विस खिलाड़ी पर भारी पड़ सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा रखे गए वनडे क्रिकेट रिकॉर्ड के अनुसार, भारत बनाम न्यूज़ीलैंड के बीच कुल 107 मैच खेले गए हैं। इनमें से 55 मैच भारत ने जीते हैं, जबकि न्यूज़ीलैंड ने 46 मैच जीते हैं।

बांग्लादेश ने अमेरिका को सात विकेट से हराया

हरारे, 23 जनवरी। कप्तान मोहम्मद अज़ीज़ुल हाकिम तमीम की 64 रन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी की बदौलत बंगलादेश अंडर-19 ने अमेरिका अंडर 19 को अंडर 19 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में शुक्रवार को सात विकेट से हरा दिया। बंगलादेश ने अमेरिका को 50 ओवर में नौ विकेट पर 199 रन पर रोकने के बाद 413 ओवर में तीन विकेट पर 201 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हाकिम तमीम ने 82 गेंदों पर 64 रन की मैच विजयी पारी में दो चौके और दो छक्के लगाए। अमेरिका की पारी में 41 रन पर तीन विकेट लेने वाले इक़बाल हुसैन एमोन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

भारत ने भूटान को 11-3 से हराया

नोंथाबुरी (थाईलैंड), 23 जनवरी। भारत ने सैफ फुटसल चैंपियनशिप 2026 में शानदार तरीके से अपनी पहली जीत दर्ज की, और नोंथाबुरी स्टेडियम में भूटान को 11-3 से हराने के लिए एक दमदार अटैकिंग प्रदर्शन किया। निखिल माली ने हैट्रिक लगाई - उनके तीनों गोल गुरुवार रात मैच के आखिरी मिनट में किए गए। विंसेंट लालतलुआंगजेला और अनमोल अधिकारी ने दो-दो गोल किए। जोनाथन लालरावंगबावला, लालसॉम्पिया और सीन डिसूजा ने एक-एक गोल किया, जबकि भूटान के जिग्नम सेल्टोब दोरजी ने एक आत्मघाती गोल किया। इस बड़ी जीत से भारत चार मैचों में पांच अंकों के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि, मालदीव के दिन में पहले नेपाल को 2-1 से हराने के बाद फुटसल टाइगर्स पहले ही टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान की दौड़ से बाहर हो गए थे। मालदीव फिलहाल चार मैचों में 12 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को नौ विकेट से पीटा

विंडहोक, 23 जनवरी। विल बैरोम (14 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 ने श्रीलंका अंडर-19 को अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में शुक्रवार को नौ विकेट से पीट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 18.5 ओवर में मात्र 58 रन पर समेटने के बाद 12 ओवर में एक विकेट पर 62 रन बनाकर मुकाबला आसानी से जीत लिया। स्टीवन होगान ने 27 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 28 और नितेश सैमुअल ने नाबाद 19 रन बनाये। होगान ने विजयी चौका मारा। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया ग्रुप में टॉप पर रहा और इस गेम के पॉइंट्स अगले राउंड में ले जाएगा। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का सही फैसला किया। श्रीलंका की टीम 13 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद मुकाबले में नहीं लौट पाई। श्रीलंका की तरफ से कविजा गमागे ने 10 और चमिका हीनातिगाला ने 14 रन बनाये। अन्य कोई बल्लेबाज दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सका और पूरी टीम 58 रन पर सिमट गयी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से विल बैरोम ने 6.5 ओवर में 14 रन देकर पांच विकेट झटके जबकि चार्ल्स लचमुंड और कैसी बार्टन को दो-दो विकेट मिले।

एलिस बीबीएल फाइनल्स से बाहर

सिडनी, 23 जनवरी। सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ अपने चैलेंजर मैच से पहले होबार्ट हरिकेंस को एक बड़ा झटका लगा है, कप्तान नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण बिग बैश लीग 2025-26 के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। एलिस, जो इस हफ्ते की शुरुआत में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ बारिश से प्रभावित तीन रन की जीत में नहीं खेल पाए थे, सिडनी गए थे और चैलेंजर में खेलने की उम्मीद में हरिकेंस की 14 खिलाड़ियों की टीम में शामिल थे। हालांकि, 31 वर्षीय तेज गेंदबाज को एससीजी में मैच से कुछ घंटे पहले ही टीम से हटा दिया गया और उनकी जगह बल्लेबाज चार्ली वाकिम को शामिल किया गया है। क्लब ने शुक्रवार दोपहर एक बयान में कहा, "होबार्ट हरिकेंस पुष्टि कर सकता है कि कप्तान नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण बीबीएल सीजन के बाकी मैचों और बीबीएल/15 फाइनल से बाहर रहेंगे।" "एलिस, जो बुधवार रात नॉकआउट में नहीं खेल पाए थे, बीबीएल/15 फाइनल के आखिरी दो मैचों के लिए वापसी करने का लक्ष्य बना रहे थे, लेकिन दुर्भाग्य से चोट से उबर नहीं पाए।"

सूर्यकुमार और ईशान के तूफानी अर्द्धशतकों से भारत को 2-0 की बढ़त

रायपुर, 23 जनवरी। कप्तान सूर्यकुमार यादव (नाबाद 82) और वापसी कर रहे ईशान किशन (76) के आतिशी अर्धशतकों से भारत ने न्यूज़ीलैंड को दूसरे टी 20 मुकाबले में शुक्रवार को सात विकेट से हराकर 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली। न्यूज़ीलैंड ने कप्तान मिचेल सेंटनर (नाबाद 47) और रचिन रवींद्र (44) की शानदार पारियों की बदौलत छह विकेट पर 208 रन का मजबूत स्कोर बनाया लेकिन भारत ने 15.2 ओवर में सात विकेट पर 209 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की। भारत ने इस तरह 200 से ऊपर की सबसे तेज रन चेज हासिल की।

सूर्या ने 37 गेंदों पर नाबाद 82 रन में नौ चौके और चार छक्के मारे जबकि भारतीय टीम में वापसी करने वाले ईशान किशन ने अपनी उपयोगिता साबित करते हुए 32 गेंदों पर 76 रन में 11 चौके और चार छक्के मारे। शिवम दुबे ने 18 गेंदों पर नाबाद 36 रन में एक चौका और तीन छक्के उड़ाए। जवाब में, भारत की शुरुआत थोड़ी लड़खड़ाती हुई रही क्योंकि संजू सैमसन (6)और अभिषेक शर्मा (0)जल्दी आउट हो गए। हालाँकि, इस झटके को ईशान किशन ने तेज़ी से दूर कर दिया, जिन्होंने एक ज़बरदस्त पलटवार किया, न्यूज़ीलैंड की गेंदबाज़ी की धज्जियाँ उड़ा दीं और पावरप्ले के अंदर सिर्फ़ 21 गेंदों में तूफ़ानी अर्धशतक बनाया। दूसरी तरफ, सूर्यकुमार यादव ने किशन के आउट होने के बाद पारी को समझदारी से संभाला और फिर अपनी फिफ्टी पूरी की - लंबे समय तक खराब फॉर्म के बाद इस फॉर्मेट में यह उनकी पहली फिफ्टी थी।

इसके बाद शिवम दुबे ने मेहमान टीम पर दबाव बनाए रखा, स्ट्राइक रोटेट करते रहे और नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाते रहे। भारतीय बल्लेबाजों ने लगातार मोमेंटम बनाए रखा, जिससे 16वें ओवर में ही लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया गया। यह भारत का एक शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन था, जिसमें कप्तान ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और एक बड़ी जीत पूरी करने के लिए एक महत्वपूर्ण पारी खेली। ईशान और सूर्या ने 48 गेंदों में 122 रन की तूफानी साझेदारी की जबकि सूर्या ने शिवम के साथ 37 गेंदों पर 81 रन की अविजित साझेदारी की।

न्यूज़ीलैंड की तरफ से ज़ैक फॉक्स सबसे महंगे रहे। उनके तीन ओवर में दिए गए 67 रन किसी भी न्यूज़ीलैंड के गेंदबाज द्वारा टी20 में दिए गए सबसे ज़्यादा रन हैं, जो 2018 में ऑकलैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ बेन व्हीलर के 3.1 ओवर में दिए गए 64 रनों से ज़्यादा हैं।

इससे पहले भारत के खिलाफ़ न्यूज़ीलैंड ने अपना सबसे बड़ा टोटल बनाया, जिसने 2017 में राजकोट में बनाए गए 196/2 के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। साथ ही यह बिना किसी व्यक्तिगत 50 स्कोर के न्यूज़ीलैंड का सबसे बड़ा टी20 टोटल भी है।

टी-20 विश्व कप 2026 : भारत न आने पर भड़के, यह बांग्लादेश का नुकसान है : मो. अजहरुद्दीन

नई दिल्ली, 23 जनवरी। तेलंगाना के मंत्री और पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के मैचों के लिए बांग्लादेश का भारत न आने का फैसला अंततः उनके लिए नुकसानदेह साबित होगा। अजहरुद्दीन ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बांग्लादेश की शिकायत करना अनुचित है, क्योंकि न्यूज़ीलैंड इस समय भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका भी हाल ही में यहां खेला था। अजहरुद्दीन ने कहा कि अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका नुकसान है। वे हमारी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शिकायत नहीं कर सकते। कई अंतरराष्ट्रीय मैच चल रहे हैं और किसी भी टीम ने शिकायत नहीं की है। अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका और उनके खिलाड़ियों का नुकसान होगा। हमारा देश बहुत सुरक्षित है। सभी टीमें खेल रही हैं। न्यूज़ीलैंड इस समय भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका कुछ ही दिन पहले यहां खेला था। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा कि विश्व कप के मैचों को बार-बार इधर-उधर नहीं किया जा सकता। चूंकि मैच पहले से ही निर्धारित हैं, इसलिए मैचों को बदलना बहुत मुश्किल है। अज़हरुद्दीन की ये टिप्पणी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मैचों को भारत से बाहर श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध के बाद आई है। बीसीबी का यह अनुरोध भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मद्देनजर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 2026 सीजन से पहले बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को टीम से बाहर करने के निर्देश देने के बाद आया है।

अफरीदी, बाबर ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए पाक टी-20 टीम में शामिल

इस्लामाबाद, 23 जनवरी। शाहीन शाह अफरीदी पिछले महीने घुटने के लिगामेंट की चोट के कारण बीबीएल से बाहर होने के बाद पहली बार पाकिस्तान टीम में लौटे हैं, ताकि अगले हफ्ते शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का सामना कर सकें। बाबर आजम ने भी बीबीएल में खराब प्रदर्शन के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि ऑस्ट्रेलिया में हारिस रऊफ का शानदार प्रदर्शन टीम में जगह वापस पाने के लिए काफी नहीं रहा। पाकिस्तान की 16 सदस्यीय टीम लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी, जिसके बाद दोनों टीमें भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रवाना होंगी।

आरुष तिवारी ने फिगर और स्पीड स्केटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया

नई दिल्ली, 23 जनवरी। आरुष तिवारी ने 6वें संस्करण के खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में फिगर और स्पीड स्केटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता 20 से 26 जनवरी 2026 तक लेह में आयोजित हुई थी। उन्होंने भारत के 19 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए बेसिक नोविस बॉयज़ श्रेणी में यह पदक जीता। यह संस्करण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार खेलो इंडिया विंटर गेम्स में फिगर स्केटिंग को शामिल किया गया है तथा न्यूनतम आयु सीमा को घटाकर 13 वर्ष कर दिया गया है।

वर्ष 2025-26 आरुष के लिए अत्यंत शानदार रहा है, क्योंकि वह भारत के एकमात्र स्केटर हैं जिन्होंने अपने द्वारा भाग ली गई सभी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आइस स्केटिंग प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। उनकी प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं: स्वर्ण पदक - 20वीं फिगर एवं स्पीड स्केटिंग राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025, देहरादून, भारत। कांस्य पदक - एशियन ओपन फिगर एवं आइस स्केटिंग चैम्पियनशिप 2025, मनीला, फिलीपींस। कांस्य पदक - 6वां खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026, लेह, भारत। बिज़नेस वर्ल्ड जेन और जेन अल्फा चेंज मेकर्स अवार्ड्स 2.0 - खेल श्रेणी।

बुमराह के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे

नई दिल्ली, 23 जनवरी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊँचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया, जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फ़ैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाज़ों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, बुमराह ने लिखा, उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता, उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के ख़िलाफ़ जाने का उनका सफ़र परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहाँ वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फ़ॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाज़ों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग

में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं। बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजों में, वह सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट और दूसरे सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जहां 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लेने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। बुमराह 2016 में एक कैलेंडर साल में टी20 में 28 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी थे। उन्होंने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और तब से लीडरशिप की जिम्मेदारी संभाली है, दिसंबर 2023 से भारत के टेस्ट वाइस-कैप्टन के तौर पर काम कर रहे हैं और रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में तीन मौकों पर टीम को लीड किया है।

उनके करियर की उपलब्धियों में 2018 और 2024 में आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम ऑफ़ द ईयर, 2017 और 2018 में आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर और 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द ईयर में चुना जाना शामिल है। उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ़ द डिकेड (2011-2020) में भी चुना गया था, उन्होंने तीन बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड जीता है और 2022 में विजडन के क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया था।

गॉफ लगातार चौथी बार चौथे राउंड में

मेलबर्न, 23 जनवरी। शुक्रवार दोपहर को मार्गरेट कोर्ट एरिना में फैंस ने दानिल मेदवेदेव को दो सेट से पिछड़ने के बाद एक शानदार वापसी करते देखा, उसके बाद उन्हें महिलाओं के वर्ग में एक और मैच देखने को मिला जो पूरे समय तक चला।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सीनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन राहुल कावंट और मेंटोर पंकज सिंह ने पद से इस्तीफा दिया

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। कोर्ट से राहत मिलने के बाद अब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सीनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन राहुल कांवट और मेंटोर पंकज सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद न सिर्फ खिलाड़ी और क्रिकेट लवर्स, बल्कि राजस्थान सरकार के सामने भी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की मौजूदा स्थिति को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की सीनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन राहुल कांवट और पंकज सिंह ने शुक्रवार शाम इस्तीफा दिया। इसमें दोनों ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के मौजूदा हालात में काम करने को लेकर असमर्थता जाहिर की है। दोनों पदाधिकारियों ने एडहॉक कमेटी कन्वीनर दीनदयाल कुमावत और कमेटी के चारों सदस्यों को ईमेल के जरिए इस्तीफा भेजा।

कांवट ने कहा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के मौजूदा हालात काफी खराब हैं। हम खिलाड़ियों के हित में काम करने के लिए यहां आए थे, लेकिन फिलहाल जो कंट्रोवर्सी राजस्थान क्रिकेट में चल रही है। उससे सबसे ज्यादा अहित खिलाड़ियों का ही हो रहा है।

कन्वीनर और मौजूद सदस्यों में बन नहीं रही, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के मौजूदा हालात काफी खराब हैं। हम खिलाड़ियों के हित में काम करने के लिए यहां आए थे, लेकिन फिलहाल जो कंट्रोवर्सी राजस्थान क्रिकेट में चल रही है। उससे सबसे ज्यादा अहित खिलाड़ियों का ही हो रहा है। कन्वीनर और मौजूद सदस्यों में बन नहीं रही है। इसकी वजह से हम लोगों को जहां खिलाड़ियों के लिए काम करना चाहिए था। वहीं कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है।

ऐसे में इन हालात से परेशान होकर मैंने और पंकज सिंह ने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। हम इस तरह के हालात में काम नहीं कर सकते या फिर यह कहें कि जो भी व्यक्ति क्रिकेट की भलाई के लिए काम करना चाहता है। वह फिलहाल राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में काम नहीं कर सकता है।

विलिंगडन ओपन स्क्वैश में जयपुर के धैर्य और अमय ने जीते खिताब

जयपुर, 23 जनवरी। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी के धैर्य गोगिया और अमय महाजन ने हाल ही मुम्बई में आयोजित विलिंगडन ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में अपने- अपने आयु वर्ग के खिताब जीत लिए। एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा के अनुसार धैर्य गोगिया ने फाइनल में रोहन खुराना को सीधे सेटों में 11-6, 11-2, 11-7 से हरा अंडर-13 बॉयज का खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर-9 मिक्स्ड कैटेगरी में अमय महाजन ने फाइनल में वैभव वीसी को 11-3, 11-5, 12-10 से हरा खिताबी जीत दर्ज की। सुरभि ने बताया कि अंडर-9 मिक्स्ड कैटेगरी में राजस्थान की एक अन्य खिलाड़ी लक्षाण्या राजावत तीसरे स्थान पर रही, जबकि अंडर-11 कैटेगरी में गौरवी अजमेरा ने चौथा स्थान हासिल किया।

सरफराज के दोहरे शतक से मुंबई का विशाल स्कोर

हैदराबाद, 23 जनवरी। सरफराज खान (227) के शानदार दोहरे शतक की मदद से मुंबई ने हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को पहली पारी में 560 रन का विशाल स्कोर बना लिया। सरफराज ने कल के 142 रन से और मुंबई ने चार विकेट पर 332 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। सरफराज 219 गेंदों पर 19 चौकों और नौ छक्कों की मदद से 227 रन बनाकर छठे बल्लेबाज के रूप में टीम के 488 के स्कोर पर आउट हुए। सुवेद पारकर ने 98 गेंदों में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 75 रन बनाये। अथर्व अंकोलेकर ने नाबाद 35 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद की तरफ से रक्षण रेड्डी ने 107 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए। हैदराबाद ने स्टंप्स तक दो विकेट खोकर 138 रन बना लिए हैं और वह अभी पहली पारी में 422 रन से पीछे है। वडोदरा। बड़ौदा ने नागालैंड को एलीट ग्रुप ए मैच में पारी और छह रन से हरा दिया। नागालैंड की टीम दूसरी पारी में 141 रन पर लुढ़क गयी। महेश पिठिया और अतीत सेठ ने तीन-तीन विकेट लिए। राजकोट। सौराष्ट्र ने पंजाब को एलीट ग्रुप बी मैच में 194 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। पंजाब की टीम 320 रन के लक्ष्य के सामने दूसरी पारी में 125 रन पर सिमट गयी। धर्मेंद्रसिंह जडेजा और पार्थ भट्ट ने पांच-पांच विकेट झटके। पहली पारी में शून्य पर लुढ़कने वाले पंजाब के कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में 14 रन बनाकर आउट हो गए। बेंगलुरु। आयुष पांडेय (नाबाद 161) और आयुष तिवारी (108) के शानदार शतकों की मदद से छत्तीसगढ़ ने दिल्ली के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मैच में दो विकेट पर 351 रन बनाकर 135 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली।

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण टी-20 विश्व कप से बाहर हुए एडम मिल्ने

आकलैंड, 23 जनवरी। न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने एसए 20 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण 2026 टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में काइल जेमीसन को शामिल किया गया है। मिल्ने को यह चोट पिछले रविवार सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए खेलते हुए एमआई केप टाउन के ख़िलाफ लगी थी। स्कैन में मांसपेशियों में खिंचाव की बात सामने आई। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 16.27 की औसत और 7.61 की इकॉनमी से 11 विकेट लिए थे। न्यूज़ीलैंड के प्रमुख कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, "हम सभी एडम के लिए बेहद निराश हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के लिए ख़ुद को तैयार करने में काफ़ी मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में वह अपनी बेहतरीन फ़ॉर्म में लौटते हुए दिख रहे थे। उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण समय है और हम उनके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।" जेमीसन इस समय भारत दौरे पर टीम का हिस्सा हैं। उन्हें विश्व कप के ट्रैवलिंग रिजर्व से मुख्य दल में शामिल किया गया है। 31 जनवरी तक दल में बिना रोकटोक बदलाव किए जा सकते हैं, उसके बाद किसी भी बदलाव के लिए आईसीसी की मंज़ूरी जरूरी होगी।

शानदार सिक्सर्स ने पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ छठे फाइनल की तारीख तय की

सिडनी, 23 जनवरी। सिर्फ़ दो रात पहले, सिडनी सिक्सर्स पूरब की ओर उड़े थे, घायल और निराश। लेकिन अब उन्हें वापसी का मौका मिला है। पूरे ऑस्ट्रेलिया में 3200 किलोमीटर की यात्रा को उलटने का अधिकार हासिल करने के बाद, वे अब किस्मत के मुहाने पर खड़े हैं। ऑप्टस स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ़ छठा फाइनल उनका इंतज़ार कर रहा है। इस पल तक पहुँचने के लिए, लीग के सबसे बड़े मंच पर आठवीं बार जगह पक्की करने के लिए।

राजस्थान-असम अंडर-23 मैच : पहले दिन रजत बघेल का शतक, राज शर्मा का नाबाद अर्द्धशतक

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आज से जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम पर शुरू हुए राजस्थान - असम अंडर 23 मैच के पहले दिन रजत बघेल का शानदार शतक व राज शर्मा का अर्धशतक।

पहले दिन का स्कोर : - राजस्थान पहली पारी 212/3, टीम के लिए रजत बघेल 145 रन (184 गेंद, 23 चोक्के, 3 छक्के), राज शर्मा नाबाद 52 रन बनाकर खेल रहे हैं। आसामके गेंदबाज हर्ष कुमार 58/2 विकेट। राजस्थान - हिमाचल रणजी मैच (दूसरे दिन का स्कोर), हिमाचल पहली पारी 406 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 76/3, खलील अहमद 68/3, अनिकेत चौधरी 79/2 विकेट प्राप्त किये।राजस्थान पहली पारी 115/6, दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 115 रन बना लिए थे। टीम के लिए सलमान खान 32, मुकुल चौधरी 24, दीपक हुड्डा 15, शिवा चौहान 15 (रिटायर्ड हर्ट) रनो का योगदान दिया। हिमाचल के गेंदबाज मुकुल नेगी 16/3, आर्यमन धालीवाल 35 / 2 विकेट।

जयपुर पोलो सीजन का पहला एग्जीबिशन मैच आज

जयपुर, 23 जनवरी। जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत, सीज़न का पहला एग्ज़िबिशन मैच, रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप 24 जनवरी को दोपहर 3.30 बजे राजस्थान पोलो क्लब में खेला जाएगा। यह मुकाबला टीम आरपीसी और टीम मालार्पण के बीच खेला जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, राजीव कुमार शर्मा होंगे।

टीम मालार्पण से लोकेंद्र सिंह धीरावत, प्रताप सिंह कानोता, भवानी सिंह कालवी और एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह खेलेंगे। दूसरी ओर, टीम आरपीसी से मिर्जा मोहम्मद बेग, मयूरध्वज सिंह तलाबगांव, राव हिम्मत सिंह बेदला और लांस वॉटसन खेलेंगे। वहीं, शनिवार, 24 जनवरी को राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप का सेमिफाइनल पीपीसी ग्राउंड पर दोपहर 12 बजे और 1 बजे खेला जाएगा। जिसमें जिंदल बेदला और वी पोलो टीम के बीच तथा रामबाग और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच टक्कर होगी। कप का फाइनल रविवार, 25 जनवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे खेला जाएगा।

संतोष ट्रॉफी में राजस्थान की धमाकेदार जीत, तमिलनाडु को 1/0 से हराया

जयपुर, 23 जनवरी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के द्वारा आयोजित फाइनल राउंड संतोष ट्रॉफी मैच में राजस्थान ने शानदार खेल दिखाते हुए तमिलनाडु को 1/0 से हराकर 3 अंक हासिल किए आज खेले गए मैच में प्रथम हाफ दोनों टीमें शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे पर काफी हमले किए पर गोल नहीं हो पाया ओर गोल रहित रही ! लेकिन द्वितीय हाफ में राजस्थान टीम ने दमखम कि साथ खेलते हुए तमिलनाडु पर दबाव बनाए रखा और मैच के 78 वे मिनट में राजस्थान कि ईशान राजोरिया ने शानदार क्रॉस पास से अदनान ने गोल कर बढ़त दिलाई जो अंत तक क़ायम रही राजस्थान का अगला मुक़ाबला 25 जनवरी को पश्चिम बंगाल से होगा।

अभी तक राजस्थान ने ग्रुप में 5 में से 2 मैच खेले हैं जिनमें से राजस्थान ने दोनों में जीत कर के 6 अंक हासिल कर लिये है इसके पहले उत्तराखंड को 3/2 से आया था यह राजस्थान टीम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है संघ के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, महिला विंग कि चेयरपर्सन रोशनी टाक, सचिव दिलीप सिंह शेखावत, और समस्त राजस्थान फुटबाल संघ सभी पदाधिकारी और भूतपूर्व फुटबॉल प्लेयर्स ने खिलाड़ियों की जीत पर बधाई दी।

देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने वसंत पंचमी एवं नेताजी की जयन्ती पर सरस्वती वंदन, युवा संवाद व मेगा पीटीएम को संबोधित किया

जयपुर, 23 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बडी पूंजी होती है। देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है। युवा देश के वर्तमान भी हैं और भविष्य भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर कदम पर प्रदेश के विद्यार्थियों और युवाओं के साथ खडी है। मुख्यमंत्री ने राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए जयपुर में विदेशी भाषा संचार कौशल स्कूल खोलने की घोषणा भी की।

- **इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर व उदयपुर के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों व शिक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर कॉमर्स कॉलेज में आयोजित सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पीटीएम को संबोधित किया। इस अवसर पर उनको राजस्थान में 7 नवम्बर 2025 को विद्यालयों में सामूहिक वंदे मातरम गायन के वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होने पर सर्टिफिकेट भेंट किया गया।

बसंत पंचमी की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में 75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना कर शिक्षा की देवी को नमन किया गया है। उन्होंने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज की स्थापना कर देश की आजादी में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेण्डर जारी किया गया है। निजी क्षेत्र में करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मेगा पीटीएम में मुख्यमंत्री का विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से संवाद हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पराक्रम दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यभर में जोधपुर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर, उदयपुर के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों से संवाद किया।

इस दौरान सांसद मंजू शर्मा, राव राजेन्द्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल सहित, शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारी तथा बडी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित थे।

'बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगर आम चुनाव ऐसे हालात में होते हैं, जब अवामी लीग को चुनाव में हिस्सा लेने से ही रोक दिया गया है, तो अगली सरकार का कट्टर इस्लामी ताकतों के हाथ में जाना तय है। यह भारत के हितों के खिलाफ होगा और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को बदल सकता है।

बांग्लादेश के कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों ने भारत के उत्तर-पूर्व को शेष भारत से काट देने की धमकी भी दी है। इसके लिए वे उत्तर बंगाल के सिलागुड़ी क्षेत्र में स्थित उस संकरे गलियारे को बाधित करने की बात कर रहे हैं, जो उत्तर-पूर्व को देश के बाकी हिस्से से जोड़ता है। इसी वजह से बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम को लेकर गहरी चिंता बनी हुई है। इस क्षेत्र में अमेरिका के साथ-साथ पाकिस्तान और चीन का दखल, पूर्वी भारत और उत्तर-पूर्व की सुरक्षा व स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। अमेरिकी नीतियों को लेकर बनी पूरी अनिश्चितता और डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ को देखते हुए, भारत अपने पूर्वी पड़ोस में हो रहे घटनाक्रम और अमेरिका की संभावित दखलअंदाजी को लेकर दोहरी चिंता और सतर्कता की स्थिति में है।

'चीन के पास फ्री पास था ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाजारों पर निर्भर हैं, उनके मुकाबले भारत अपनी विशाल और बढ़ ती माँग तक एक्सैस (पहुँच) देता है। इससे भारत कमजोर स्थिति से नहीं, बल्कि मजबूती से बातचीत कर सकता है।

मित्तल ने जोर दिया कि भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढ ांचे में तेजी से हो रहे सुधार से इस लाभ को और मजबूत किया जा रहा है। हाईवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे, बिजली व्यवस्था और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क अभूतपूर्व गति से बढ़ रहे हैं, जिससे उद्योगों की लागत और अड़चनें कम हो रही हैं। उतना ही महत्वपूर्ण है भारत का डिजिटल सार्वजनिक ढ ांचे में शुरुआती निवेश। आधार, यूपीआई और व्यापक इंडिया स्टैक जैसे प्लेटफॉर्म ने भुगतान, पहचान सत्यापन (आइडेंटिटी वैरिफिकेशन) और सेवाओं की आपूर्ति को बदल दिया है। इससे लेन-देन की लागत घटी है और कंपनियों को तेजी से बढ़ ने में मदद मिली है। बढ़ ते टैरिफ और रैगुलेटरी रूकावटों वाली दुनिया में यह अंदरूनी कुशलता मजबूती पैदा करती है।

मित्तल ने सुझाव दिया कि सार्वजनिक निवेश ने वैश्विक अनिश्चितता के दौर में स्टेबलाइज़र की भूमिका निभाई है। महामारी के बाद जब कई अर्थव्यवस्थाएं झटकों से जूझ रही थीं, तब भारत ने सरकारी पूँजी खर्च का इस्तेमाल करके निजी निवेश को प्रोत्साहित किया और विकास की गति बनाए रखी। इसी कारण भारत वैश्विक व्यापार की रफ्तार धीमी होने और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ ने के बावजूद दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना रहा।

मित्तल ने कहा, अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर बनी अनिश्चितता, खासकर वॉशिंगटन से बदलते संकेतों के बीच, भारत की संभावनाओं को मूल रूप से नहीं बदलती है। भारत को कड़ी बातचीत और कई बार दंडात्मक टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। लेकिन इसका आकार, रणनीतिक महत्व और ग्लोबल सप्लाई चेन के विविधीकरण (डायवर्सिफिकेशन) में इसकी भूमिका इसे नजरअंदाज करना असंभव बना देती है। अंततः संतुलित नतीजे सामने आएंगे, किसी मेहरबानी से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण। मित्तल के शब्दों में, भारत इसलिए नहीं जीतेगा कि दुनिया उस पर दयालु है, बल्कि इसलिए जीतेगा, क्योंकि भारत को बाहर रखना व्यावहारिक नहीं है।

दावोस में संदेश साफ था, दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का भारत का रास्ता औटोमैटिक नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह संभव है। इसके लिए मैन्युफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, कौशल और तकनीक में बड़े पैमाने पर लगातार ध्यान देना होगा। साथ ही, भारत को अपनी बातचीत की ताकत पर भरोसा रखना होगा और ज्यादा बंटी हुई, कम उदार वैश्विक व्यवस्था में धैर्य के साथ आगे बढ़ ना होगा।

चीन का बिना रोक-टोक निर्यात आधारित विस्तार का दौर भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन मित्तल का मानना है कि भारत का समय अब शुरू हो रहा है, जो किसी "फ्री पास" से नहीं, बल्कि मेहनत से हासिल की गई ताकत और अपरिहार्य वैश्विक महत्व से आकार लेगा।

अगले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचाने और लोगों पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। एमेज़ॉन ने दिसंबर में अपने वार्षिक एडब्ल्यूएस क्लाउड कंप्यूटिंग सम्मेलन के दौरान अपने नवीनतम एआई मॉडल का प्रदर्शन किया था। एमेज़ॉन के 1.58 मिलियन कर्मचारी है और 30,000 इसका छोटा सा हिस्सा है, लेकिन ये कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यबल का लगभग 10 प्रतिशत है। एमेज़ॉन के अधिकांश कर्मचारी पूर्ति केन्द्रों और गोदामों में काम करते हैं। यह एमेज़ॉन के तीन दशकों के इतिहास में सबसे बड़ी छंटनी होगी। कंपनी ने 2022 में लगभग 27,000 नौकरियाँ कम की थीं।

उत्तराखंड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता कम होने और रनवे पर बर्फ की मोटी परत जमा होने के कारण सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के साथ अपनी मुवक्किल, एक विधवा महिला, के लिए राहत मांगते हुए बहस की थी, जिसका बिजली कनेक्शन 1.30 लाख रुपये के बकाया के कारण काट दिया गया था।

सुनवाई के दौरान, तिवारी ने कहा था कि उनकी मुवक्किल 25,000 रुपये जमा करने के लिए तैयार है, ताकि कनेक्शन फिर से जुड़ सके। लेकिन न्यायमूर्ति कुमार ने पूर्व के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें कुल बकाया राशि का 50 प्रतिशत जमा करना आवश्यक था। मामला तब हल हुआ जब तिवारी ने अपनी मुवक्किल के 50,000 रुपये जमा करने पर सहमति जताई। लेकिन तिवारी के केस का समापन होने के बाद यह मुद्दा बढ़ गया। जैसे ही कोर्ट ने अगला मामला लिया, न्यायमूर्ति कुमार ने तिवारी द्वारा अपनी दलीलें प्रस्तुत करने के तरीके पर टिप्पणी की। कोर्ट ने फिर झारखंड राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष से, जो कोर्ट में मौजूद थे, वकील के आचरण का संज्ञान लेने को कहा। इस पर तिवारी खड़े हुए, बेंच की ओर बढ़े और जज की ओर इशारा करते हुए कहा, "मैं अपनी तरीके से बहस कर सकता हूँ, आपके तरीके से नहीं, जैसा आप कहते हैं। कृपया ध्यान रखें। किसी वकील का अपमान करने की कोशिश न करें, मैं आपको बता रहा हूँ।"जज ने जवाब "आप यह नहीं कह सकते कि कोर्ट अन्याय कर रहा है।" वकील ने कहा, "क्या मैंने ऐसा कहा?" और जज से लाइव वीडियो रिकॉर्डिंग देखने को कहा, यह बताते हुए कि वह और कोई वकील था, जिसने यह तर्क दिया था, जिसे न्यायमूर्ति कुमार ने अवमानना माना था।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर मीडिया में कभी-कभी की गई आलोचनात्मक टिप्पणियाँ भी शामिल हैं। इन टिप्पणियों के बाद कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी, जिसमें थरूर पर भाजपा में जाने की कोशिश करने के आरोप लगाए गए। लेकिन, थरूर ने पार्टी बदलने के इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया और पिछले साल जून में एनडीटीवी से कहा था कि उन्होंने पार्टी और उसकी विचारधारा के प्रति अपनी निष्ठा 16 साल से बनाए रखी है। उन्होंने कहा था, "प्रधानमंत्री की सराहना भाजपा में शामिल होने का संकेत नहीं है, जैसा कि कुछ लोग दुर्भाग्यवश इशारा कर रहे हैं। यह राष्ट्रीय एकता का बयान है। लेकिन, पार्टी बदलने की बात कभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई। असल में, थरूर और कांग्रेस के बीच तनाव, जिसका भाजपा अक्सर मुद्दा बनाती है, गुरुवार को भी सामने आया। लोकसभा सांसद थरूर ने भारतीय क्रिकेट टीम के वर्तमान कोच और पूर्व भाजपा सांसद गौतम गंभीर के साथ एक सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उन्होंने गंभीर की सराहना की कि वे "भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद दूसरा सबसे कठिन काम संभाल रहे हैं।" भाजपा के शहजाद पूनावाला ने इसका जवाब दिया। उन्होंने गंभीर की कोचिंग और रणनीतियों को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों की आलोचना तथा प्रधानमंत्री के राष्ट्रहित के कार्यों की विपक्ष द्वारा आलोचना में समानता को रेखांकित किया।

दुष्कर्म मामले में आरोपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि घटना के समय वह नाबालिग थी और उसने अपने रिश्तेदार की आईडी से होटल में कमरा बुक कराया था। इसके बावजूद पुलिस ने उस रिश्तेदार से कोई पूछताछ नहीं है। याचिकाकर्ता पीड़िता से हमेशा सार्वजनिक जगह पर टीम के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में मिला था। और यदि पीड़िता के साथ कानपुर में दुष्कर्म हुआ तो उसके बाद वह याचिकाकर्ता के साथ अलग-अलग शहरों में क्यों गई।

पीड़िता के वकील दिवेश शर्मा ने कहा कि पुलिस जांच में साबित है कि दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होती थी। इसके अलावा पीड़िता की ओर से बताए होटलों में दोनों के ठहरने का रिकॉर्ड भी मिला है। आरोपी ने मई माह में आईपीएल मैच के दौरान पीड़िता को होटल में मिलने बुलाया था और उसके साथ संबंध बनाए थे। घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी तो उसकी सहमति भी कोई मायने नहीं रखती है।

मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के आदेश दिया लेकिन उसकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है।

बदरीनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सात अप्रैल को आरंभ होगी। इसका निर्णय परंपरा अनुसार टिहरी गढ़ वाल जनपद के नरेंद्र नगर स्थित राजदरबार में महाराजा मनुजेंद्र शाह ने पंचांग पूजा के बाद भगवान बदरी विशाल के कपाट खुलने, भगवान के महाभिषेक में प्रयुक्त होने वाले तिलों के तेल को पिरोने और गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा की तिथि घोषित की।

आज ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौरतलब है कि हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ की बैठक में गत 12 दिसंबर को निर्णय हुआ था। जिसमें तय किया गया था कि अदालतों में बढ़ ते मुकदमों को देखते हुए हर माह दो शनिवार को मुकदमों की सुनवाई की जाएगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908